लखनऊ

बुधवार, 1 अक्टूबर, 2025

वर्ष : 11 । अंक: 82

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

जिसको जो कहना है कहने दो अपना क्या जाता है.. ये वक्त-वक्त कि बात है, सबका वक्त आता है...

TODAY WEATHER

DAY 34° Hi

NIGHT 27° Low

संक्षेप

किरेन रिजिजू ने कसा तंज, कहा- मैच लाइव था, वर्ना पाकिस्तान खुद को विजेता घोषित कर देता

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को दुबई में एशिया कप 2025 का खिताबी मुकाबला अपने नाम किया। इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को लेकर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने पाकिस्तानी टीम पर तंज कसा है। मंगलवार को इसे री-पोस्ट करते हुए किरेन रिजिजू ने लिखा, मैच टीवी पर लाइव था, अन्यथा पाकिस्तान कहता कि उन्होंने मैच जीत लिया! उल्लेखनीय है कि भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को एशिया कप 2025 के फाइनल मैच में हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला था। रिपोर्ट्स के अनुसार, खिताब जीतने के बाद भारतीय टीम मैनेजमेंट ने अमीरात क्रिकेट बोर्ड के उपाध्यक्ष खालिद अल जरूनी से पुरस्कार प्राप्त करने की इच्छा जताई थी, लेकिन एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने इस प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। जब नकवी मंच पर आए, तो भारतीय टीम ने उनके हाथों पुरस्कार लेने से साफ तौर पर मना कर दिया। कुछ देर बाद एशिया कप ट्रॉफी को आयोजन स्थल से हटा दिया गया। टीम इंडिया ट्रॉफी लिए बगैर ही मैदान से बाहर लौटी। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण और खेल भावना के विरुद्ध बताया है। हालांकि, उन्हें उम्मीद है कि एशिया कप ट्रॉफी और मेडल बहुत जल्द भारतीय खिलाड़ियों को दिए जाएंगे। टीम इंडिया ने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान को 5 विकेट से शिकस्त दी थी। इस मैच में पाकिस्तानी टीम को 19.1 ओवरों में 146 रन पर समेटने के बाद भारत ने 19.4 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया।

वनएक्सबेट सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी ऑफिस पहुंचीं उर्वशी रौतेला, पूछताछ जारी

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री और मॉडल उर्वशी रौतेला मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दिल्ली कार्यालय में पेश हुईं। उन्हें वनएक्सबेट नामक अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया। यह मामला ऑनलाइन सट्टेबाजी और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है, जिसमें कई हाई-प्रोफाइल हस्तियां जांच के दायरे में हैं। ईडी इस मामले में पहले ही कई क्रिकेटरों और सितारों से पूछताछ कर चुकी है, जिनमें युवराज सिंह, सुरेश रैना, शिखर धवन, रॉबिन उथप्पा, सोनू सूद, और मिमी चक्रवर्ती जैसे नाम शामिल हैं। मिमी चक्रवर्ती को पहले ही 15 सितंबर को ईडी मुख्यालय में पूछताछ के लिए तलब किया गया था। प्रकाश राज, विजय देवराकोंडा, और राणा दग्गुबाती जैसे सितारों से भी सवाल-जवाब किए गए। ईडी के सूत्रों ने बताया कि इस जांच में यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि अवैध सट्टेबाजी ऐप किस प्रकार भारतीय कानून की अवहेलना करते हुए, मशहूर हस्तियों के जरिए अपने प्रचार-प्रसार कर रहा है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इन विज्ञापनों से प्राप्त होने वाली फीस से मनी लॉन्ड्रिंग की गई या नहीं। बता दें कि सरकार ने ऑनलाइन सट्टेबाजी और गेमिंग प्लेटफॉर्म को लेकर सख्त कानून बनाए हैं। 2022 से लेकर जून 2025 तक ऐसे प्लेटफॉर्म को ब्लॉक करने के लिए 1,524 आदेश जारी किए जा चुके हैं।

इजरायल-हमास युद्ध खत्म करने का आया प्रस्ताव... पीएम मोदी ने ट्रंप की पहल पर क्या कहा?

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी ने गाजा में चल रहे इजरायल-हमास युद्ध को खत्म करने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति के प्रयासों का स्वागत किया है। पीएम मोदी ने कहा कि हम राष्ट्रपति डोनाल्ड जे ट्रंप की तरफ से गाजा संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक व्यापक योजना की घोषणा का स्वागत करते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि यह फिलिस्तीनी और इजरायली लोगों के साथ-साथ व्यापक पश्चिम एशियाई क्षेत्र के लिए दीर्घकालिक और स्थायी शांति, सुरक्षा और विकास का एक व्यवहार्य मार्ग प्रदान करता है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि सभी संबंधित पक्ष राष्ट्रपति ट्रम्प की पहल के पीछे एकजुट होंगे और संघर्ष को समाप्त करने और शांति सुनिश्चित करने के इस प्रयास का समर्थन करेंगे।

20 बिंदुओं वाला शांति प्रस्ताव

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में चल रहे इजरायल-हमास युद्ध को खत्म करने के लिए 20 बिंदुओं वाला शांति प्रस्ताव पेश किया था। वाइट हाउस ने सोमवार को इस योजना की घोषणा की। इस मौके पर ट्रंप ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की थी।

मीडिया से बातचीत में ट्रंप ने कहा था कि अगर हमास इस प्रस्ताव को मान लेता है तो सभी बंधकों को रिहा कर दिया जाएगा। इसके साथ ही युद्ध खत्म हो जाएगा। हालांकि, उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर हमास ने इसे ठुकरा दिया तो इजरायल को उनका पूरा समर्थन मिलेगा ताकि वह हमास के खतरे को खत्म कर सके।

गाजा में अस्थायी तकनीकी सरकार

गाजा के लिए ट्रंप की शांति योजना में एक अस्थायी तकनीकी सरकार की स्थापना का प्रावधान है। इजरायल गाजा पर कब्जा नहीं करेगा और किसी भी निवासी को जबरन बाहर नहीं निकाला जाएगा। समझौते में युद्ध को तत्काल समाप्त करने का प्रावधान है, बशर्ते इसे स्वीकार कर लिया जाए। साथ ही सभी बंदियों, जीवित और मृत, को 72 घंटों के भीतर वापस लौटा दिया जाए। गाजा की देखरेख के लिए 'बोर्ड ऑफ पीस' नाम की एक अंतरराष्ट्रीय संस्था बनेगी, जिसका नेतृत्व ट्रंप करेंगे। इसमें पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर भी शामिल होंगे। यह संस्था गाजा के पुनर्निर्माण का ढांचा और आर्थिक मदद तय करेगी, जब तक कि फिलिस्तीनी प्राधिकरण सुधार कर नियंत्रण संभालने को तैयार न हो जाए।

रेली में इंटरनेट बहाली के बाद जनजीवन सामान्य, सुरक्षा के मद्देनजर पुलिसबल तैनात

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में इंटरनेट सेवाओं की बहाली के बाद माहौल शांतिपूर्ण बना हुआ है। इंटरनेट सेवाएं शुरू होने के बाद लोग एक बार फिर मोबाइल फोन और सोशल मीडिया का उपयोग करते नजर आए।

सुरक्षा के लिहाज से मौलाना तौकीर रजा के आवास के आसपास के रास्तों पर पुलिस बल तैनात किया गया है। इन मार्गों पर आने-जाने वालों की सख्त निगरानी की जा रही है। पुलिस और प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी तरह की अशांति को रोकने के लिए सतर्कता बरती जा रही है। शहर के संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ-साथ गश्त भी बढ़ा दी गई है। इंटरनेट सेवाएं बंद होने से पहले शहर में कुछ तनावपूर्ण घटनाएं हुई थीं, जिसके कारण प्रशासन को यह कदम उठाना पड़ा था। अब इंटरनेट बहाल होने के बाद लोग अपने रोजमर्रा के कामों के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं। बाजारों में रौनक लौटने लगी है और दुकानें सामान्य रूप से खुल रही हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि इंटरनेट की वापसी से उन्हें काफी राहत मिली है, क्योंकि कई काम ऑनलाइन सेवाओं पर निर्भर थे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की गई है।

करूर भगदड़ की SC जज से जांच हो! भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने उठाई बड़ी मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। एनडीए-भाजपा के आठ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को करूर स्थित उस अस्पताल का दौरा किया जहाँ 27 सितंबर को हुई भगदड़ में घायल हुए लोगों का इलाज चल रहा है। यह दौरा तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) प्रमुख और अभिनेता विजय द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान हुई दुखद घटना के बाद प्रतिनिधिमंडल के तथ्य-खोज अभियान का हिस्सा है, जिसमें 41 लोगों की जान चली गई थी। अस्पताल पहुँचने से पहले, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा गठित प्रतिनिधिमंडल ने भगदड़ स्थल का दौरा किया और प्रत्यक्षदर्शियों से बातचीत की। भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि यह बहुत ही भयानक और सबसे बड़ी भगदड़ है। राजनीति के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था...प्रशासन को इस पर ध्यान देना चाहिए था, लेकिन वे ऐसा करने में नाकाम रहे...लोगों को भी इस पर बहुत बुरा लग रहा है। मैंने उस जगह जाकर देखा जहाँ भगदड़ हुई थी। ऐसी स्थिति देखकर बहुत दुख हुआ...इस सब के लिए कौन ज़िम्मेदार है, हम जानना चाहते हैं...हम अब घायल लोगों को भी देखने अस्पताल आए हैं। वे ठीक हो रहे हैं...ऐसा देखकर बहुत दुख हुआ, ऐसा नहीं होना चाहिए...विजय को यह देखना चाहिए था कि अगर वह इतने लोकप्रिय हैं, तो उन्हें इतने लोगों को आमंत्रित नहीं करना चाहिए। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि कौन जिम्मेदार है? इसकी स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। हमारा मानना है कि सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश को इस मामले की जांच करनी चाहिए और सर्वोच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश द्वारा स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आ सके। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा सांसद हेमा मालिनी, अपराजिता सारंगी, अनुराग ठाकुर, तेजस्वी सूर्या, ब्रज लाल, रेखा शर्मा, श्रीकांत शिंदे (शिवसेना) और पुट्टा महेश कुमार (तेलुगु देशम पार्टी) शामिल हैं। भाजपा सांसद हेमा मालिनी समिति की संयोजक हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने प्रतिनिधिमंडल को भगदड़ की पूरी कहानी सुनाई। एक प्रत्यक्षदर्शी ने दावा किया कि टीवीके नेता आधव अर्जुन ने कार्यक्रम के दौरान अभिनेता विजय से संपर्क किया।

राहुल गांधी की केंद्र से अपील : लद्दाख में हिंसा-भय की राजनीति बंद हो, बातचीत से समस्या का हल निकले

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्र से लद्दाख के लोगों से बातचीत करने का आग्रह किया। उन्होंने सरकार से 'बातचीत करने और हिंसा व भय की राजनीति बंद करने' का आह्वान किया। उन्होंने लेह में हुई हालिया हिंसा की निष्पक्ष न्यायिक जाँच की माँग की, जिसमें चार लोगों की जान चली गई। X पर एक पोस्ट में, राहुल गांधी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि गोली लगने से मारे गए लोगों में से एक सैनिक परिवार से था। उन्होंने कहा, 'पिता सैनिक, बेटा भी सैनिक - जिनके खून में देशभक्ति दौड़ती है। फिर भी भाजपा सरकार ने देश के वीर सपूत की सिर्फ़ इसलिए गोली मारकर जान ले ली, क्योंकि वह लद्दाख और उसके अधिकारों के लिए

खड़ा था। पिता की दर्द भरी आँखें बस एक ही सवाल पूछ रही हैं - क्या आज देश सेवा का यही इनाम है?'

राहुल ने निष्पक्ष न्यायिक जाँच की माँग को आगे बढ़ाते हुए इस मौत को हत्या बताया और कहा, 'हमारी माँग है कि लद्दाख में हुई इन हत्याओं की निष्पक्ष न्यायिक जाँच हो और दोषियों को कड़ी से कड़ी सज़ा मिले। मोदी जी, आपने लद्दाख के लोगों के साथ विश्वासघात किया है।' उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि लद्दाख के लोग 'अपने अधिकारों की माँग' कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'वे अपने अधिकारों की माँग कर रहे हैं, बातचीत कर रहे हैं - हिंसा और भय की राजनीति बंद करें।'

इससे पहले, 24 सितंबर को लेह में विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़क उठी थी, जब स्थानीय भाजपा कार्यालय में आग लगा दी गई थी। इस झड़प में चार लोगों की मौत हो गई थी। दो दिन बाद, जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) के तहत हिरासत में लिया गया था। उन पर 'हिंसा भड़काने' का आरोप लगाया गया है। लद्दाख के लोग केंद्र शासित प्रदेश को संविधान की अनुसूची VI में शामिल करने की मांग कर रहे हैं। संविधान की इस अनुसूची में अनुच्छेद 244(2) और 275(1) शामिल हैं, जिनमें लिखा है, 'असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिज़ोरम राज्यों के जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में प्रावधान।'

काशी में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, महागौरी और अन्नपूर्णा माता की पूजा का विशेष विधान

आर्यावर्त क्रांति

वाराणसी। धर्म नगरी काशी में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर मां दुर्गा के आठवें स्वरूप महागौरी और मां अन्नपूर्णा की आराधना का अनूठा उत्साह देखने को मिल रहा है। नवरात्रि के दौरान जहां नौ दुर्गा स्वरूपों का पूजन किया जाता है, वहीं काशी में नौ गौरी की पूजा का विशेष विधान भी है। सुबह से ही माता के दर्शन-पूजन का सिलसिला शुरू हो गया। भक्त मां महागौरी और मां अन्नपूर्णा से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उत्साहित नजर आ रहे हैं।

दुर्गा सप्तशती में वर्णित है कि शुंभ-निशुंभ से पराजित देवताओं ने

गंगा तट पर महागौरी की प्रार्थना की थी, जिनके अंश से कौशिकी का जन्म हुआ और उन्होंने दैत्यों के आतंक से देवताओं को मुक्ति दिलाई थी। मां अन्नपूर्णा मंदिर के पुजारी अर्जुन पांडेय ने बताया, अष्टमी के दिन माता के आठवें स्वरूप महागौरी के दर्शन होते हैं। श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं और माता उनके सारे कष्ट दूर करती हैं। मां अन्नपूर्णा हिमाचल की पुत्री और अन्न की देवी हैं। कहा भी गया है, 'हिमाचल की पुत्री तू ही शंभू रानी, नमो अन्नपूर्णा नमो अन्नदाता भवानी।' भगवान विश्वनाथ भी यहां भिक्षा लेने आए थे। माता के दर्शन और परिक्रमा से धन-दौलत, यश-कीर्ति प्राप्त होती है। श्रद्धालु राजकुमारी ने कहा, यहां भक्त पहले मां अन्नपूर्णा की पूजा करते हैं, फिर 108 परिक्रमा करते हैं। सभी देवियों में एक ही शक्ति है, बस नाम अलग हैं। वहीं, प्रीति ने बताया, माता के दर्शन से जीवन में समृद्धि आती है। मां महागौरी और दुर्गा के स्वरूप में यहां विराजमान हैं। काशी का अन्नपूर्णा मंदिर काफी प्रसिद्ध है। माना जाता है कि इस मंदिर में आदिशंकराचार्य ने अन्नपूर्णा स्तोत्र की रचना की थी। पुराणों में वर्णित है कि भगवान शिव ने स्वयं मां अन्नपूर्णा से अन्न की भिक्षा मांगी थी।

26/11 के बाद भारत ने क्यों नहीं दिया था पाकिस्तान को जवाब, चिदंबरम ने सामने रखा सच, भाजपा हो गई हमलावर

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने 26/11 मुंबई हमले को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि तत्कालीक यूपीए सरकार ने मुंबई हमले को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई न करने का फैसला लिया था, जिसका कारण अंतर्राष्ट्रीय दबाव और विदेश मंत्रालय की राय थी। चिदंबरम ने कहा कि मेरे मन में पाकिस्तान को जवाब देने का विचार आया था, लेकिन सरकार ने कोई भी सैन्य कार्रवाई न करने का फैसला लिया था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री चिदंबरम की इस टिप्पणी के बाद सियासत गरमा गई। बीजेपी के कई नेता इस बयान पर कांग्रेस की तीखी आलोचना कर रहे हैं। बीजेपी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस ने इस बात को बहुत कम और बहुत देर में स्वीकार किया है।

कांग्रेस नेता ने मुंबई हमले के कुछ दिन बाद ही गृहमंत्री का पदभार संभाला था। उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में बताया कि पूरी दुनिया दिल्ली में यह कहने आई कि युद्ध शुरू मत करो। चिदंबरम ने इस बात को स्वीकार किया कि उस समय अमेरिका की विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस थी। वह उनसे और पीएम से मिलने दिल्ली आई थीं। राइस ने इन लोगों से अनुरोध किया था कि पाकिस्तान कोई जवाब न दें।

चिदंबरम ने कहा कि मैंने उनसे कहा कि यह एक ऐसा फैसला है जो सरकार लेगी। उन्होंने कहा कि उस समय मेरे मन में यही विचार आया था कि हमें पाकिस्तान को मुंबई हमले का जवाब देना चाहिए। इसको लेकर हमने प्रधानमंत्री और अन्य लोगों के साथ चर्चा की थी। आखिर में सरकार ने विदेश मंत्रालय और आईएफएस की राय मानकर यह निष्कर्ष निकाला गया कि हमें पाकिस्तान को मुंबई हमले का कोई जवाब नहीं देना है।

आज की चुनौतियों से निपटने के लिए साझा प्रणाली जरूरी, एकीकरण से बढ़ेगा आत्मविश्वास : रक्षा मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि आज के समय में साइबर हमलों, सूचना युद्ध और बदलती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए भारतीय सेना के बीच बेहतर तालमेल और एक समान प्रणाली की जरूरत है। वह दिल्ली में आयोजित त्रि-सेवा संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय इस दिशा में हरसंभव सहयोग करेगा।

राजनाथ सिंह ने कहा, हमारी सेनाओं ने वर्षों के अनुभव से अपनी ऑडिट प्रणाली विकसित की हैं। लेकिन आज के एकीकृत अभियानों के दौर में जरूरी है कि ये प्रणाली एक-दूसरे जुड़ी हों। अगर हर सेना अलग-अलग काम करेगी, तो फैसला लेना मुश्किल हो सकता है। एकीकृत

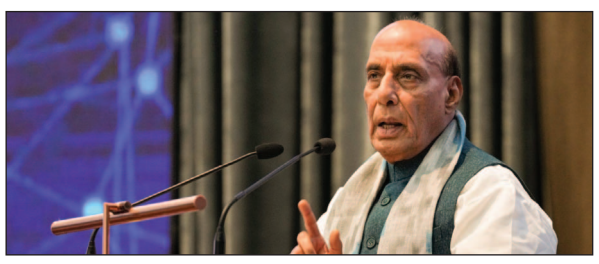

प्रणाली से सेनाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। आज हमें साइबर हमलों और सूचना युद्ध का खतरा है, इसलिए हमें इनके लिए मानक तय करने होंगे।

उन्होंने आगे कहा, जब हम मानक तय करने की बात करते हैं, तो इसका मतलब यह नहीं है कि सेनाओं की अपनी पहचान खत्म हो जाएगी। हम हर सेना पर एक जैसा तरीका नहीं थोप सकते। हमें ऐसी प्रणाली बनानी होगी जो तीनों सेनाओं के काम को एकसाथ जोड़े। मुझे भरोसा है कि इस पर गंभीर चर्चा होगी और रक्षा मंत्रालय पूरा सहयोग करेगा। रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि देश को इस दिशा में लगातार काम करने की जरूरत है, ताकि एक ऐसी आधुनिक और सक्षम प्रणाली तैयार की जा सके जो सभी सेवाओं के लिए उपयोगी हो।

उन्होंने कहा, इसके लिए हमें लगातार संवाद की जरूरत होगी। इस प्रक्रिया में नेतृत्व की भूमिका बहुत अहम होगी। हर कदम पर यह स्पष्ट करना होगा कि यह सुधार क्यों जरूरी है। जब तक हर सेवा और हर कर्मचारी को 'संयुक्तता' का महत्व समझ में नहीं आएगा, तब तक यह सफल नहीं हो सकता। हम दूसरे देशों के अच्छे अनुभवों से सीख सकते हैं, लेकिन हर देश की अपनी परिस्थितियां होती हैं। हमें अपनी जरूरतों के हिसाब से समाधान तैयार करना होगा। रक्षा मंत्री ने थल सेना, वायु सेना और नौसेना के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि देश ऑपरेशनल तैयारियों की दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन अब अगला कदम 'त्रि-सेवा लॉजिस्टिक्स' का एकीकरण होना चाहिए। उन्होंने कहा, हमें एक ऐसी डिजिटल प्रणाली बनानी चाहिए जो हर सेवा की जरूरतों का सम्मान करे और सभी के लिए जरूरी संसाधनों की स्थिति को साझा रूप से दिखा सके। इस दिशा में काम शुरू हो चुका है। हमें मिलकर संयुक्तता की ओर बढ़ना है। जब तीनों सेनाएं एक साथ आगे बढ़ेंगी, तभी हम बड़ी चुनौतियों का डटकर सामना कर सकेंगे। राजनाथ सिंह ने देवी दुर्गा का उदाहरण देते हुए कहा, जब चुनौतियां बहुत बड़ी हों, तो एकता की ताकत अजेय बन जाती है। हमारी सेना ऑपरेशनल तैयारी कर रही है, वायुसेना और नौसेना भी इसी दिशा में काम कर रही हैं। लेकिन जैसे ही हम 'संयुक्त सेवा कमान' की बात करते हैं, तो अगला कदम 'अखिल भारतीय त्रि-सेवा लॉजिस्टिक्स एकीकरण' की दिशा में होना चाहिए।

नोएडा में मौसम ने फिर बदला रुख, नोएडा-गाज़ियाबाद में तेज बारिश से मिली राहत

आर्यावर्त क्रांति

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौसम एक बार फिर करवट ले चुका है। मंगलवार सुबह से ही आसमान में काले बादलों ने डेरा जमा लिया, जिसके बाद नोएडा और गाजियाबाद के कई इलाकों में तेज बारिश शुरू हो गई। लगातार बढ़ती गर्मी और उमस से बेहाल लोगों के लिए यह बारिश किसी राहत से कम नहीं है।

हालांकि, 2 अक्टूबर से बारिश में कमी आएगी और आसमान में बादल तो रहेंगे, लेकिन तेज बारिश की संभावना कम हो जाएगी। 3 और 4 अक्टूबर को मौसम आंशिक रूप से बादल वाला रहने की उम्मीद है, जबकि 5 अक्टूबर तक मुख्य रूप से साफ आसमान देखने को मिलेगा। तापमान धीरे-धीरे कम होते हुए अधिकतम 33 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री तक आ सकता है।

बारिश के बाद से सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी हो गई, कई जगहों पर जलभराव के कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वहीं दूसरी ओर, बच्चों और युवाओं ने बारिश का खूब लुत्फ उठाया। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने बारिश की तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करते हुए खुशी जाहिर की। किसानों के लिए भी यह बारिश फायदेमंद साबित हो सकती है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां देर से बोई गई फसल को पानी की जरूरत थी। विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून विदाई से पहले यह बारिश मौसमी संतुलन बनाए रखने में मदद करेगी।

मंदिर की जमीन पर खेलने पहुंचे बच्चे... चल गए लाठी-डंडे, दो समुदायों में बवाल

आर्यावर्त संवाददाता

श्रावस्ती। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में बीती रात उस वक्त दो समुदाय में लाठियां-डंडे और ईंट पत्थर चलने लगे, जब मुस्लिम समुदाय के कुछ बच्चे मंदिर की जमीन पर खेल रहे थे। बात बच्चों के खेलने से शुरू हुई और सांप्रदायिक तनाव तक पहुंच गई। दोनों समुदाय के लोग आमने-सामने आ गए। यहां तक की मुस्लिम समुदाय की महिलाओं ने हिंदू धर्म के लोगों पर मिर्ची पाउडर तक डाल दिया, जिससे मामला तनावपूर्ण है।

बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद है। घटना श्रावस्ती जनपद के थाना नवीन मॉडर्न के राजगढ़ गुलरिया की बताई जा रही है। यहां पर मंदिर की जमीन पर मुस्लिम बच्चों को खेलने को लेकर विवाद छिड़ गया। विवाद इतना बड़ा की दोनों समुदायों में लाठी-डंडे और ईंट पत्थर चलने लगे। मुस्लिम समुदाय की महिलाएं भी सामने आ गईं। उनके हाथों में लाठियां और मिर्च पाउडर था।

गांव में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात

इसी दौरान दूसरी तरफ से हिंदू समुदाय के लोग भगवा झंडा लहराते हुए सामने आए। दोनों के आमने-सामने आने से करीबन आधा दर्जन लोग घायल हुए। डायल 112 के सामने भी जमकर लाठी-डंडे और पत्थरों की बौछार होती रही। जब मौके पर बड़ी संख्या में आलाधिकारी और पुलिस बल पहुंचा, तब मामले को शांत करवाया जा सका। गांव में शांति के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

हालात अब भी तनावपूर्ण बने हुए हैं

हालांकि गांव में स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है। बताते चले जहां मंदिर की जमीन है, उसके चारों तरफ मुस्लिम समुदाय के लोग रहते हैं। यह गांव पूरी तरीके से मुस्लिम बाहुल्य है। दो दिनों में हिंदू समुदाय के बड़े त्यौहार है। इस बीच सांप्रदायिक दंगों को होना कहीं ना कहीं बड़ी घटना की सुगबुगाहट की आहट दे रही है।

होटल की आड़ में चल रहा अवैध हुक्का बार, नाबालिगों की जिंदगी से खिलवाड़

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। शहर के कई नामचीन होटलों में हुक्का बार और अवैध गतिविधियों का धंधा खुलेआम चल रहा है। दरियापुर, पयागीपुर, अमहट और गोलाघाट इलाके में होटल के अंदर बने केबिन और कमरों में न सिर्फ हुक्का और शराब पार्टी हो रही है बल्कि नाबालिग बच्चों को भी नशे की लत लगाई जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस प्रशासन को कई बार जानकारी देने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लोगों का कहना है कि पुलिस की निष्क्रियता और मिलीभगत से अवैध कारोबारियों के हौसले बुलंद हैं। हालात यह हैं कि शहर के हर बड़े चौराहे पर एक हुक्का बार मिल जाएगा। बताया जा रहा है कि पुलिस को बाकायदा हफ्ता दिया जाता है, जिससे यह कारोबार बिना रुकावट फल-फूल रहा है।

पूर्व में नगर थाना प्रभारी रहे राम आशीष उपाध्याय ने शास्त्री नगर स्थित एक हुक्का बार पर छापा मारकर संचालक को गिरफ्तार भी किया था। कुछ समय तक स्थिति नियंत्रित रही, लेकिन बाद में फिर से बड़े पैमाने पर होटल के अंदर यह धंधा शुरू हो गया। छापेमारी के दौरान कई युवक-युवतियों को हिरासत में भी लिया गया था, हालांकि बाद में उन्हें चेतावनी देकर छोड़ दिया गया। होटलों में बने अलग-अलग केबिन और कमरों में प्रति घंटे के हिसाब से वसूली की जा रही है। इसके अलावा, हुक्का बार की आड़ में नशीले पदार्थों की सप्लाई और देह व्यापार की भी शिकायतें मिल रही हैं। इस पूरे मामले पर अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह ने कहा कि "ऐसे मामलों की अभी कोई आधिकारिक शिकायत सामने नहीं आई है। फिर भी जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने पर होटल संचालकों पर कड़ी कार्रवाई होगी। शासन के निर्देशानुसार चेकिंग अभियान लगातार चलाए जाते हैं और भविष्य में भी यह अभियान जारी रहेगा। शहर में तेजी से फैल रहे इन अवैध हुक्का बार और उनसे जुड़े आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए आमजन में भारी आक्रोश है। लोगों की मांग है कि जिला प्रशासन और पुलिस तत्काल सख्त कार्रवाई करके युवाओं के भविष्य को बचाए।

पुलिस से लुका-छिपी का खेल... खुद के किडनैप होने की सूचना दी, दुश्मनी का बदला लेने में फंस गया

आर्यावर्त संवाददाता

अंबेडकरनगर। उत्तर प्रदेश के अंबेडकरनगर जिले में गोली मारकर चारपहिया वाहन से अपहरण करने की वारदात का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। जिस युवक ने खुद के अपहरण की सूचना दी थी, पुलिस ने उसे एक माटी के टीले के पास से गिरफ्तार किया है। यहीं नही पुलिस ने अपहरण की सूचना देने वाले इस युवक के पास से अवैध असलहा और कारतूस भी बरामद किया है। युवक ने अपने एक पुराने दुश्मन को फंसाने के लिए ही अपहरण की कहानी बनाई थी।

रविवार की देर शाम डायल 112 पर पुलिस को सूचना मिली कि टांडा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम इस्माइल पुर बेलदहा निवासी उपेंद्र को चार पहिया अर्टिगा वाहन सवार बदमाशों ने गोली मारकर अपहरण कर लिया है। अपहरण की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने घेराबंदी कर अपहरण युवक की तलाश में जुट गई। कई घंटों की तलाश के बाद सोमवार भोर में मुखबिर ने पुलिस को सूचना दी कि पुलिस जिस युवक को तलाश रही है, उसका अपहरण नहीं हुआ है। यह युवक गांव के पास एक माटी के टीले के पीछे छुपा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया, जिसके पास से अवैध असलहा और कारतूस भी बरामद हुआ।

दुश्मनी का बदला लेने के लिए रची थी साजिश

पुलिस की गिरफ्त में आए उपेंद्र से जब पुलिस ने पूछताछ की तो उसने हकीकत बयां कर दी। पुलिस के मुताबिक, उपेंद्र ने बताया कि बसखारी थाना क्षेत्र के ग्राम बनियानी निवासी फैसल से उसकी पुरानी रंजिश थी। इसी से बदला लेने के लिए खुद के अपहरण की साजिश रची। उपेंद्र ने पहले अपने भाई को फोन कर सूचना दी कि उसे गोली मार कर अपहरण कर लिया गया है। उपेंद्र के भाई ने यह सूचना अपनी मां को दी। मां ने यह सूचना गांव के एक व्यक्ति को दी, जिसने यह सूचना पुलिस को दी थी। टांडा कोतवाली प्रभारी दीपक सिंह रघुवंशी ने बताया कि अपहरण की सूचना पर पुलिस युवक की तलाश कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि जिस युवक के अपहरण की सूचना है, उसका अपहरण हुआ ही नहीं है। पुलिस ने गलत सूचना देने वाले उपेंद्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके पास से अवैध तमंचा और कारतूस भी बरामद हुआ। उपेंद्र ने अपने एक विरोधी को फंसाने के लिए अपहरण की कहानी बनाई थी।

मिशन शक्ति के तहत कन्या पूजन कार्यक्रम सम्पन्न

सुल्तानपुर। शारदीय नवरात्र पर मिशन शक्ति के पाँचवें चरण के अंतर्गत मंगलवार 30 सितम्बर को प्रेरणा सभागार में कन्या पूजन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील कुमार त्रिपाठी, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. आर. ए. वर्मा तथा नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अतिथियों का स्वागत अपर जिलाधिकारी राकेश सिंह, उपायुक्त राष्ट्रीय आजीविका मिशन कृष्णदेव गोस्वामी और जिला प्रोबेशन अधिकारी वी.पी. वर्मा ने किया। कन्या पूजन में प्राथमिक एवं कम्पोजिट विद्यालयों की 21 बालिकाओं के पैर धोकर, महावर लगाकर पूजन किया गया। अतिथियों ने कन्याओं को तिलक लगाकर चुनरी, माला पहनाई और स्टील की थाली, फल-मिठाई की टोकरी, क्रेयान व ड्रॉइंग कॉपी भेंट की। जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने कहा कि कन्या पूजन समाज में बेटियों के सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश देता है।

लखीमपुर खीरी में तेज हवा के साथ बारिश... धान की फसल गिरी, बरेली-बदायूं में भी मौसम ने ली करवट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। मानसून की विदाई के बाद मंगलवार को मौसम ने करवट ली। लखीमपुर खीरी जिले के कुछ इलाकों में मंगलवार को सुबह बारिश आफत बनकर बरसी। फरधान, बेहजम और आसपास के क्षेत्र में सुबह बारिश के साथ तेज हवा चलने से फसलों को काफी नुकसान हुआ है। खासकर धान की फसल पलट गई है। दोपहर बाद तक बादलों की आवाजाही जारी रही। मध्यम गति से हवा भी चल रही है, जिससे किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें हैं। खेतों में धान की फसल तैयार खड़ी है। कुछ जगहों पर फसल की कटाई की शुरू हो गई है। ऐसे में मौसम के मिजाज ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है।

बरेली में मंगलवार को सुबह करीब सात बजे काले बादल छा गए और बूंदाबांदी शुरू हो गई। दोपहर में करीब एक बजे तेज बारिश हुई, जिससे मौसम में ठंडक हो गई। बदायूं जिले में करीब सुबह 10 बजे हल्की बारिश का दौर शुरू हुआ। धीरे-धीरे तेज हुई बारिश ने पूरे शहर को भिगो दिया और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। अचानक बदले मौसम से लोगों ने राहत की सांस ली। पीलीभीत जिले में बादल छाए रहे। दशहरा से पहले मौसम का मिजाज देखकर किसान चिंतित हैं। जगह-जगह रामलीला का मेला भी चल रहा है। ऐसे में अगर तेज बारिश हुई तो दुकानदारों को नुकसान हो सकता है।

बदायूं में बारिश से मौसम हुआ सुहावना

बदायूं जिले में पिछले कई दिनों से हो रही गर्मी और उमस से परेशान लोगों को राहत मिली। मंगलवार को सुबह से ही काले बादल छाने लगे। करीब सुबह 10 बजे हल्की बौछारों के साथ बारिश का दौर शुरू हुआ। धीरे-धीरे तेज हुई बारिश ने पूरे शहर को भिगो दिया और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। बारिश से गलियों और मुख्य सड़कों पर जलभराव हुआ। बाजारों में सामान्य दिनों की तुलना में कम लोग दिखाई दिए। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों तक रुक-रुक कर बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है।

रुहेलखंड से 29 सितंबर को विदा हुआ मानसून

झमाझम बारिश से तरबतर करने के बाद मानसून 29 सितंबर को रुहेलखंड से लौट चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक इस वर्ष जुलाई और अगस्त में मानसून ने रिकॉर्ड बारिश की। सितंबर की शुरुआत में भी जिले को बारिश से सरोबार करने के बाद आखिरी सप्ताह में गर्मी के कारण लोगों को पसीने से तरबतर होना पड़ा। मानसून के लौटने के तुरंत बाद मौसम बदला है।

मां परमेश्वरी धाम का सौंदर्यीकरण कार्य संपन्न

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। विधायक विनोद सिंह के प्रयासों से प्रतापपुर महमूदपुर स्थित मां परमेश्वरी देवी धाम का सौंदर्यीकरण कार्य पूरा हो गया है। करीब एक करोड़ रुपये की लागत से संपन्न इस कार्य का आज विधायक ने फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर विनोद सिंह ने कहा कि क्षेत्र का विकास और आपसी भाईचारा उनकी प्राथमिकता में है। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता पर किया जाएगा और जहां भी विकास कार्य लंबित हैं, उन्हें शासन-प्रशासन से मिलकर जल्द से जल्द पूरा करवाया जाएगा। विधायक ने मौके पर मौजूद ग्रामीणों से संवाद करते हुए उनका हालचाल लिया और सभी से क्षेत्र की समस्याओं की जानकारी मांगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र विकास की कड़ी से अधूरा नहीं रहेगा। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि संतोष सिंह, कूरेभार ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि नवनीत सिंह सोनू, कलखुरा प्रधान संगम सिंह, बीजेपी नेता डॉ. डी.एस. मिश्रा, गड़थौली प्रधान मोनू चतुर्वेदी, बहादुरपुर प्रधान विजय मिश्रा, अंबुज तिवारी रतापुर सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

हिस्ट्रीशीटर की पार्टी में शराब की बोतल के साथ दारोगा ने लगाए ठुमके, वीडियो आने के बाद हो गई कार्रवाई

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां साहिबाबाद थाने के सीमा चौकी के प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। आरोप है कि ये पुलिसकर्मी एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश इरशाद मलिक की जन्मदिन पार्टी में शामिल हुए और शराब पीते हुए डांस किया था। इसका एक वीडियो भी सामने आया है।

मामले में जिले के साहिबाबाद थाने के सीमा चौकी प्रभारी समेत और 3 सिपाहीयों को सस्पेंड कर दिया गया है। इन पर एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश की जन्मदिन पार्टी में हाथ में शराब लिए हुए डांस करने का आरोप लगा है। मामले का एक वीडियों भी सामने आया है। इस 22 सेकेंड के वायरल विडियो में बार में कुछ लोग डांस करते हुए नजर आ रहे है।

हिस्ट्रीशीटर की पार्टी में डांस

इसमें एक सख्स साहिबाबाद थाने का हिस्ट्रीशीटर अपराधी इरशाद मलिक है और उसके साथ डांस कर रहे पुलिसकर्मी सादी वर्दी में हैं। गाने पर थिरकते एक पुलिस कर्मी के हाथ में शराब की बोतल भी है। हिस्ट्रीशीटर की पहचान इरशाद मलिक के नाम से हुई है। उसके खिलाफ दो गौकशी और 1 आर्म्स एक्ट सहित तीन मामले दर्ज हैं। वो स्थानीय थाने का हिस्ट्रीशीटर है। ऐसे शख्स की पार्टी में पुलिसकर्मियों की मौजूदगी पुलिस विभाग पर गंभीर सवाल खड़े कर दिये हैं।

जांच में जुटी अधिकारी

मामले की गंभीरता को देखते हुए चोरों पुलसिकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। सस्पेंड हुए पुलिस कर्मियों में चौकी प्रभारी आशीष जादौन और उनके साथ तीन सिपाही, अमित, योगेश और ज्ञानेंद्र शामिल है। अधिकारियों ने वायरल वीडियों की जांच शुरू कर दी है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है। मामले में बदमाश ने एक बार बर्थडे पार्टी का आयोजन किया था। आरोप है कि इस बर्थडे पार्टी में मेहमानों के साथ चारों पुलिसकर्मी भी शामिल हुए थे। बताया यह भी जा रहा है कि हिस्ट्रीशीटर इरशाद चौकी इंचार्ज की स्कॉर्पियो कार भी चलाता है।

चुनाव आयोग व भाजपा का गठजोड़ लोकतंत्र व संविधान के खतरा : अभिषेक सिंह राणा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। मंगलवार को कांग्रेस के हस्ताक्षर अभियान की बैठक जनपद भदैया व दूबेपुर ब्लॉक में आयोजित की गई। पार्टी द्वारा आयोजित की गई बैठक में कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा सहित जिले के अन्य पदाधिकारी शामिल हुए।

दूबेपुर ब्लॉक की बैठक को कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने संबोधित करते हुए कहा कि देश में वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान की मुहिम को गांव-गांव व हर बूथ तक पहुंचाने की हर एक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। इस मुहिम से देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग और भाजपा का गठजोड़ लोकतंत्र और संविधान के लिए सबसे बड़ा खतरा है। वोट चोरी के सच को गांव गांव जाकर हर एक नागरिक को बताएं जिससे देश में हो रही बड़े पैमाने पर वोट चोरी को रोका जा सके और देश में निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया बहाल हो सके। वहीं बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों से अभियान के तहत हस्ताक्षर करवाए गए, तथा गांव स्तर के प्रत्येक बूथ तक हस्ताक्षर एवं आमजन को वोट चोरी के बारे में जागरूक करने की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई।

इस मौके पर वरिष्ठ नेता हरीश त्रिपाठी सुरेश चंद्र मिश्रा अतिउल्लाह अंसारी जमीदार यादव शीतला प्रसाद तिवारी रामचंद्र कोरी फजल रिजवी हृदय राम चौहान सम्राट तिवारी सियाराम तिवारी जनेश्वर उपाध्याय रामकिशोर मिश्र जनार्दन सिंह जटाशंकर तिवारी कक्कू तिवारी सुरेश वर्मा सियाराम वर्मा आदि लोगों उपस्थित रहे। राहुल गांधी के विचारों से प्रभावित होकर उस्मान खान बब्लू ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस का दामन थामा।

यूपी के इस शहर में 10 हजार उपभोक्ताओं के लिए खुशखबरी, नए राशन कार्ड बनने का रास्ता साफ

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। शहर में ही नहीं अब देहात क्षेत्र में भी राशन कार्ड बनने का रास्ता साफ हो गया है। 10 हजार से अधिक पात्र लोगों को ग्रामीण क्षेत्र में राशन कार्ड बन सकेंगे। इसके लिए किसी भी जनसेवा केंद्र से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। देहात क्षेत्र में राशन कार्ड का लक्ष्य लगभग पूर्ण था, इसलिए राशन कार्ड नहीं बन पा रहे थे। अब नया राशन कार्ड बनवाए जाने का भरपूर मौका है।

गरीबों के हक के राशन को अमीर खा रहे हैं। ऐसे लोगों की संख्या 10 हजार से अधिक हैं। शासन स्तर से वाहन स्वामी और आयकरदाताओं की सूची मिली है। उसके आधार पर सर्वे का कार्य चल रहा है। इनके राशन कार्ड निरस्त होना निश्चित है। उनके स्थान पर पात्र लोगों को नया राशन कार्ड बनवाए जाने का मौका मिल सकेगा।

शहरी क्षेत्र के साथ ही देहात में भी मिलेगा राशन कार्ड बनवाने का मौका

अभी तक देहात क्षेत्र में नया राशन कार्ड बनवाना मुश्किल था। आयकरदाता और वाहन स्वामियों की सूची मिलने के बाद यह संभव है। पात्र लोगों को आधार कार्ड शहर के साथ ही देहात क्षेत्र में भी मौका मिल सकेगा।

ये है स्थिति

कुल सरकारी राशन की दुकान-1247

अंत्योदय राशन कार्ड धारक शहरी क्षेत्र में 2503, देहात क्षेत्र में -7062

पात्र राशन कार्ड धारक, शहरी क्षेत्र में 284940, देहात क्षेत्र में -460818

कुल यूनिट- 3047969

किसी भी जनसेवा से आवेदन कर सकते हैं। जांच के बाद पात्र लोगों का राशन कार्ड जरूर बनाया जाएगा। बाहरी व्यक्ति के चक्कर में न पड़े। आनंद कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी

2009 में हालैंड से भारत आई लड़की, मथुरा के लड़के ने किया रेप... 1 लाख यूरो भी हड़पा, आरोपी को कैसे पहुंचाया जेल?

आर्यावर्त संवाददाता

मथुरा। यह कहानी है हालैंड की एलिना (नाम बदला हुआ) की, जिसने प्यार में धोखा खाने के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक और आर्थिक उत्पीड़न भी सहा।आरोपी युवक उत्तर प्रदेश के मथुरा का रहने वाला था। हालांकि, एलिना ने हार नहीं मानी। उसे भारतीय कानून पर पूरा भरोसा था। इस दौरान उसे कई बार मुकदमे के लिए हालैंड से भारत आना पड़ा। हालांकि, लंबे संघर्ष के बाद आखिरकार कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 10 साल की सजा सुनाई है।

मथुरा के गोविंद नगर इलाके का रहने वाला एक युवक शादी का झांसा देकर न सिर्फ हालैंड की एलिना से दुष्कर्म करता रहा, बल्कि उससे लाखों रुपये भी लिए। न्यायालय ने अब इस मामले में युवक को 10 साल की सजा और उसकी मां को आरोपी की अपराध में मदद पहुंचाने के लिए 5 साल की सजा सुनाई है।

भक्ति के नाम पर शुरू हुई दोस्ती

साल 2009 में हालैंड से एक एलिना भारत आई थी। उसका उद्देश्य केवल भगवान की भक्ति और मथुरा में रहकर धार्मिक माहौल का अनुभव करना था। इसी दौरान उसकी मुलाकात गोविंद नगर सेक्टर-एफ निवासी हरेंद्र कुमार से हुई। हरेंद्र ने खुद को धर्म का ज्ञाता बताया और एलिना को अपनी मीठी बातों के जाल में फंसा लिया। उसने युवती से कहा कि वह अविवाहित है और शादी करना चाहता है। धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और हरेंद्र ने युवती को पत्नी की तरह अपने पास रखने लगा।

शादी का झांसा और धन की ठगी

विदेशी युवती उस पर पूरी तरह भरोसा करने लगी। वह कई बार भारत आती-जाती रही और करीब 15 यात्राओं के दौरान हरेंद्र के साथ ही मथुरा में रहना शुरू कर दिया। इस बीच हरेंद्र ने युवती से एक लाख यूरो रुपये ले लिए। उसने बहाना बनाया कि वह कृष्ण जन्मस्थान के पास गेस्ट हाउस का निर्माण करवा रहा है। इतना ही नहीं, पति का अधिकार जताते हुए युवती का एटीएम भी अपने पास रख लिया और उसके खाते से लाखों रुपये निकाल डाले।

मां ने भी बेटे का ही दिया साथ

हरेंद्र यहीं नहीं रुका। उसने युवती का शारीरिक शोषण भी शुरू कर दिया। हैरानी की बात यह रही कि इस घिनौने काम में उसकी मां लीला देवी भी उसका साथ देती रही। युवती को धीरे-धीरे हकीकत का अंदाजा हुआ। जब उसने सवाल उठाए तो हरेंद्र ने उसे घर से निकाल दिया। निराश और आहत एलिना ने हार नहीं मानी। उसने सीधे एसएसपी से शिकायत की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने 2018 में गोविंद नगर थाने में हरेंद्र और उसकी मां के खिलाफ धोखाधड़ी और दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कर लिया। एफआईआर दर्ज होने के बाद एलिना वापस हालैंड चली गई, लेकिन जब भी अदालत में गवाही की बारी आती, वह खुद भारत आती थी। यह उसके संघर्ष और न्याय की उम्मीद को दर्शाता है।

पुलिस जांच के बाद हरेंद्र और उसकी मां को गिरफ्तार किया गया और आरोप-पत्र अदालत में पेश किया गया। लंबी सुनवाई के बाद न्यायालय ने हरेंद्र को दुष्कर्म और धोखाधड़ी का दोषी मानते हुए 10 साल की कठोर कैद और 9 लाख 70 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया। वहीं उसकी मां लीला देवी को सहयोगी मानते हुए पांच साल की कैद और एक लाख 90 हजार रुपये का जुर्माना अदा करने का आदेश दिया।

'सरकार ने किसानों का बिजली बिल माफ किया...आय दोगुनी करने पर निरंतर कार्य जारी'

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश सरकार किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य पर निरंतर कार्य कर रही है। नई तकनीक, सामूहिक खेती और विविध फसल उत्पादन से ही कृषि क्षेत्र को नई दिशा मिल सकती है। यह बात कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मंगलवार आयोजित राज्य स्तरीय रवि कृषक गोष्ठी को में कही।

उन्होंने कहा कि किसानों को किसान सम्मान निधि मिल रही है। किसानों को बिजली बिल माफ किया गया है। किसानों को अच्छे बीज, खाद पर सब्सिडी देकर सरकार किसानों की लागत को कम कर रही है।

आमदनी को बढ़ा रही है। किसानों से संवाद के दौरान जो भी समस्याएं बताई जाती हैं। उसके

समाधान के आदेश अधिकारियों को दिया जा रहा है। कुछ किसानों ने बिजली की समस्या भी रखी है। उन किसानों को सरकार की सोलर योजना का लाभ दिया जा रहा है।

आधारित जैविक खाद को अपनाने पर जोर दिया

गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने अपने संबोधन में प्राकृतिक खेती और गो-आधारित जैविक खाद को अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जैविक उत्पादों से न केवल फसल की गुणवत्ता बेहतर होती है। बल्कि मिट्टी की उर्वरता भी सुरक्षित रहती है।

कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार, अपर मुख्य सचिव (उद्यान) वीएल मीना, प्रमुख सचिव (कृषि) रविंद्र ने भी संबोधित किया। संचालन सहायक निदेशक संजेश कुमार श्रीवास्तव ने किया। इस मौके पर गन्ना शोध संस्थान, मृदा संरक्षण विभाग, मत्स्य विभाग, पशुपालन विभाग की ओर से स्टॉल भी लगाए गए। सोलर ऊर्जा व कृषि यंत्रों की परिसर में प्रदर्शनी भी लगाई गई। जहां किसानों को गन्ने के उत्पादों, गन्ने की नई प्रजाति व उसकी उपज आदि के बारे में भी किसानों को जानकारी दी गई।

चयनित इन छह किसानों को किया गया सम्मानित

सरोजनी नगर निवासी महेंद्र सिंह, चिनहट क्षेत्र के किसान उमेश पाल व राममूर्ति, मलिहाबाद क्षेत्र के चंद्रपाल, गोसाईगंज की किसान सुषमा रानी व द्रुपदराज सिंह।

नवरात्रि पर केशव प्रसाद मौर्य ने बख्शी तालाब स्थित माँ चंद्रिका देवी सिद्धपीठ में पूजन-अर्चना कर की सर्वकल्याण की प्रार्थना

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने नवरात्रि (महाअष्टमी) के पावन अवसर पर मंगलवार को लखनऊ के बख्शी तालाब स्थित माँ चंद्रिका देवी सिद्धपीठ में माता रानी के दिव्य दर्शन किए और पूजा-अर्चना कर लोक कल्याण की कामना की। उन्होंने मंत्रोच्चार के साथ हवन और पूजन कर माँ भगवती से समस्त श्रद्धालुओं एवं समाज की भलाई हेतु प्रार्थना की।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने देश और प्रदेशवासियों को महाष्टमी, महानवमी, दशहरा एवं दीपावली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि माँ चंद्रिका देवी की असीम कृपा सभी भक्तों पर बनी रहे और समस्त श्रद्धालुओं के जीवन में सुख एवं समृद्धि के द्वार हमेशा खुले रहें। उन्होंने माता के चरणों में शीश झुकाकर प्रार्थना की कि देश का वर्तमान और भविष्य दोनों उज्जवल हों, उत्तर प्रदेश और भारत विकसित बने तथा देश की अर्थव्यवस्था में वृद्धि हो।उप मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर मिशन शक्ति अभियान के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मिशन शक्ति का पाँचवां चरण चल रहा है और नारी शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है। उन्होंने माता दुर्गा से प्रार्थना की कि हर बेटी, बहन और माता आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और सशक्त बने, जिससे सशक्त समाज और समृद्ध भारत की नींव मजबूती से रखी जा सके।पूजन-अर्चना में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी माता चंद्रिका देवी के आशीर्वाद के लिए उप मुख्यमंत्री के साथ मंत्रोच्चार और हवन में भाग लिया, और इस पावन अवसर का लाभ लेकर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की।

० संक्षेप ०

लखनऊ में भीषण सड़क हादसा: ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल जलकर राख, 70 वर्षीय चालक गंभीर रूप से घायल, ट्रक चालक फरार

लखनऊ,(आरएनएस)राजधानी लखनऊ में मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा घटित हुआ। थाना स्थानीय क्षेत्र के पूर्वांचल ढाल पर उतरते ही टाटा कंपनी के ट्रक (संख्या UP21 BN 3596) और मोटरसाइकिल में जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल आग की लपटों में घिरकर पूरी तरह जलकर राख हो गई, जबकि उसका चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।जानकारी के मुताबिक हादसा सुबह करीब 9:30 बजे हुआ। राहगीरों ने तत्काल डायल 112 के माध्यम से पुलिस को सूचना दी। सूचना पाते ही थाना स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुँची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। घायल मोटरसाइकिल चालक की पहचान राम स्नेही (उम्र लगभग 70 वर्ष), निवासी नंदा खेड़ा, थाना गोसाईगंज, लखनऊ के रूप में हुई। उन्हें एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी गोसाईगंज ले जाया गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए पीजीआई ट्रॉमा सेंटर-2 रेफर कर दिया। इस दौरान उनके परिजन भी मौके पर मौजूद रहे।पुलिस ने जली हुई मोटरसाइकिल को हटवाकर मार्ग पर यातायात सामान्य कर दिया। वहीं हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर अग्रिम विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है।स्थानीय लोगों का कहना है कि पूर्वांचल ढाल पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार अक्सर दुर्घटनाओं का कारण बनती है। नागरिकों ने प्रशासन से इस मार्ग पर निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था सख्त करने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

लखनऊ-रसूलाबाद में "स्वच्छ शहर जोड़ी पहल" का आगाज, लखनऊ नगर निगम और रसूलाबाद नगर पंचायत के बीच एमओयू साइन

लखनऊ/रसूलाबाद(आरएनएस),स्वच्छ भारत मिशन को नई गति देने और छोटे नगर निकायों को सशक्त बनाने की दिशा में केंद्र सरकार की "स्वच्छ शहर जोड़ी पहल" (City Pairing Initiative) के तहत मंगलवार को एक अहम कदम उठाया गया। लखनऊ नगर निगम और उन्नाव जिले की नगर पंचायत रसूलाबाद के बीच एमओयू साइन हुआ, जिसके तहत नगर निगम लखनऊ अब रसूलाबाद की स्वच्छता व्यवस्था को सुधारने में तकनीकी सहयोग और मार्गदर्शन प्रदान करेगा।उन्नाव के रसूलाबाद में हुए इस कार्यक्रम में लखनऊ से महापौर सुषमा खर्कवाल, नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त डॉ. अरविंद कुमार राव और मंडल कार्यक्रम प्रबंधक प्रियंका यादव मौजूद रहे। वहीं रसूलाबाद से विधायक बंबा लाल दिवाकर, नगर पंचायत चेयरमैन गजाला अंसारी, एडीएम अमिताभ यादव, अधिशासी अधिकारी मुकेश मिश्रा और नगर पंचायत के पार्षदगण शामिल हुए।इस एमओयू के तहत लखनऊ नगर निगम रसूलाबाद में डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन, सड़क सफाई, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सीवर व्यवस्था और पेयजल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में सहयोग करेगा। नगर निगम की टीम कर्मचारियों और अधिकारियों को प्रशिक्षण देगी और तकनीकी सहयोग भी उपलब्ध कराएगी।महापौर सुषमा खर्कवाल ने कहा कि "लखनऊ नगर निगम का अनुभव अब रसूलाबाद जैसे छोटे नगर निकाय के काम आएगा। हमारी कोशिश होगी कि रसूलाबाद आने वाले समय में स्वच्छता रैंकिंग में बड़ा सुधार दर्ज करे।" चेयरमैन गजाला अंसारी ने इसे नगर पंचायत के लिए ऐतिहासिक अवसर बताया, वहीं विधायक बंबा लाल दिवाकर ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे स्वच्छ भारत मिशन की बड़ी उपलब्धि करार दिया।नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बताया कि इस समझौते का सीधा लाभ रसूलाबाद की जनता को मिलेगा। बेहतर स्वच्छता व्यवस्था से बीमारियों में कमी आएगी, जल और सीवर प्रबंधन सुधरेगा तथा नागरिकों का जीवनस्तर ऊंचा होगा।"स्वच्छ शहर जोड़ी पहल" का मकसद बड़े नगर निकायों को छोटे कस्बों के साथ जोड़कर अनुभव और संसाधनों के आदान-प्रदान से स्वच्छता व्यवस्था को नई दिशा देना है। लखनऊ-रसूलाबाद की यह साझेदारी इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

यूपी-112 कमिश्नरेट लखनऊ की नाइट स्कार्ट सेवा : महिलाओं के लिए सुरक्षित और निडर सफर

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। ,महिला सुरक्षा को नई दिशा देने और अपराधों की रोकथाम के लिए यूपी-112 कमिश्नरेट लखनऊ ने मिशन शक्ति 5.0 के तहत नाइट स्कार्ट सेवा शुरू की है। इस सेवा के अंतर्गत रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक सड़क पर अकेली महिलाएं 112 पर कॉल करके पुलिस से तुरंत सुरक्षा प्राप्त कर सकती हैं। पीआरवी (Police Response Vehicle) की टीम महिलाओं को उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचाने का कार्य करती है।कमिश्नरेट ने महिला सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता दी है और प्रतिदिन औसतन 1300 कॉलें प्राप्त होती हैं, जिनमें लगभग 250 कॉलें महिला सुरक्षा से संबंधित होती हैं। 1 जनवरी 2025 से अब तक कुल 46 मामलों में नाइट स्कार्ट सेवा के माध्यम से महिलाओं को सुरक्षित

उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया है।इस सेवा की सफलता का आधार हॉटस्पॉट आधारित रणनीति है। लखनऊ कमिश्नरेट क्षेत्र में महिला संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष हॉटस्पॉट्स निर्धारित किए गए हैं। इन हॉटस्पॉट्स पर पीआरवी वाहनों की तैनाती सुनिश्चित की गई है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस प्रतिक्रिया प्रदान की जा सके।

नाइट स्कार्ट सेवा के सफल उदाहरणों में शामिल है सुनीता (काल्पनिक नाम), जो रात 11:01 बजे गोरखपुर से खुर्रमनगर जा रही थी। पीआरवी टीम ने तुरंत पहुंचकर उन्हें सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाया। इसी तरह प्रियंका (काल्पनिक नाम) को भी रात 11 बजे उनके गंतव्य तक सकुशल पहुंचाया गया।यूपी-112 कमिश्नरेट लखनऊ ने नाइट स्कार्ट सेवा और त्वरित प्रतिक्रिया के माध्यम से महिलाओं के लिए सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने में अग्रणी भूमिका निभाई है। इस पहल से न केवल महिला सशक्तिकरण को बल मिला है, बल्कि समाज में महिलाओं के लिए सुरक्षित परिवेश तैयार करने में भी महत्वपूर्ण योगदान हुआ है।नाइट स्कार्ट सेवा यह संदेश देती है कि हर महिला की सुरक्षा सुनिश्चित करना और उन्हें निडर बनाकर समाज में स्वतंत्र रूप से आगे बढ़ना संभव है। यह सेवा मिशन शक्ति 5.0 की व्यापक योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो महिलाओं को कानूनी, चिकित्सकीय और मानसिक सहायता सहित व्यापक सुरक्षा कवच प्रदान करने के लिए कार्य कर रही है।

ट्रक की टक्कर लगने से बाइक सवार घायल बाइक में लगी आग

» गोसाईंगंज में पूर्वांचल एक्सप्रेस की ढाल पर हुआ हादसा

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। गोसाईंगंज इलाके में पूर्वांचल एक्सप्रेस की ढाल पर मंगलवार की सुबह एक ट्रक की टक्कर लगने के बाद सड़क पर गिरी बाइक के रगड़ने से बाइक में आग लग गई, तथा सवार बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल बुजुर्ग को सीएचसी गोसाईंगंज इलाज के लिए भेजा जहां प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा 2 रिफर कर दिया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक गोसाईंगंज के नंद खेडा गांव निवासी बुजुर्ग रामसनेही (70) पूर्वांचल एक्सप्रेस के रास्ते कही से बाइक से वापस आ रहा था तभी

पूर्वांचल एक्सप्रेस की ढाल पर एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार बाइक समेत सड़क पर गिर गया। बाइक गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया । बाइक के सड़क पर रगड़ने से बाइक में आग लग गई। इंस्पेक्टर गोसाईंगंज ब्रिजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि बाइक सवार की हालत ट्रामा 2 में नाजुक बनी हुई है।

लखनऊ में ट्रक-बाइक टक्कर से भीषण हादसा : मोटरसाइकिल जलकर खाक, वृद्ध चालक घायल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे ने लोगों को दहला दिया। थाना स्थानीय क्षेत्र के पूर्वांचल ढाल पर उतरते ही टाटा कंपनी के ट्रक (संख्या UP21 BN 3596) और दोपहिया वाहन की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक देखते ही देखते आग की चपेट में आकर पूरी तरह जलकर खाक हो गई। हादसे में बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया।मिली जानकारी के अनुसार सुबह करीब 9:30 बजे जब यह हादसा हुआ तो मौके पर अफरातफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल डायल 112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुँची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। घायल की पहचान राम स्नेही (उम्र लगभग 70 वर्ष), निवासी नंदा खेड़ा, थाना गोसाईगंज, लखनऊ के रूप में हुई। उन्हें एम्बुलेंस से सीएचसी गोसाईगंज अस्पताल भेजा गया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने पीजीआई ट्रॉमा सेंटर-2 रेफर कर दिया। हादसे की जानकारी मिलते ही घायल के परिजन भी मौके पर पहुँच गए।पुलिस ने क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल को हटवाकर सड़क से जाम की स्थिति को सामान्य किया। वहीं हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस ढाल पर आए दिन भारी वाहनों की तेज रफ्तार के कारण दुर्घटनाएँ होती रहती हैं।

मिशन शक्ति 5 .0 के तहत लखनऊ में वन स्टॉप सेंटर पर जागरूकता कार्यक्रम, महिलाओं को मिला सुरक्षा और सहयोग का संदेश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। महिला सशक्तिकरण और सुरक्षा को नई दिशा देने के उद्देश्य से पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के मार्गदर्शन में मिशन शक्ति 5.0 के तहत मंगलवार को थाना क्षेत्र कृष्णानगर स्थित वन स्टॉप सेंटर पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को हिंसा या उत्पीड़न की स्थिति में तुरंत और एकीकृत सहायता उपलब्ध कराना था।इस अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबिता सिंह चौहान, सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर विकास पांडेय, प्रभारी वन स्टॉप सेंटर अर्चना सिंह, मिशन शक्ति टीम, थाना कृष्णानगर की महिला बीट अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय

महिलाएं मौजूद रहीं।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों (112, 1930, 1076, 1090, 1098, 181) की जानकारी दी गई और बताया गया कि हिंसा, उत्पीड़न या किसी भी आपात स्थिति में इन नंबरों पर तुरंत सहायता प्राप्त की जा सकती है।वन स्टॉप सेंटर द्वारा उपलब्ध कराई जा रही प्रमुख सेवाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इनमें 24×7 आपातकालीन सहायता, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार, कानूनी सलाह, मनोवैज्ञानिक परामर्श, अस्थायी आश्रय सुविधा और महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ने जैसे कदम शामिल हैं।महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबिता सिंह चौहान ने कहा कि "वन स्टॉप सेंटर केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमें इस पहल को जन-जन तक पहुंचाना होगा ताकि हर जरूरतमंद महिला सुरक्षित और सशक्त जीवन जी सके।"पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर के निर्देशन में लखनऊ पुलिस ने जनपद के सभी 54 थानों में विशेष "मिशन शक्ति केंद्र" स्थापित किए हैं। इसका उद्देश्य महिलाओं को समय पर न्याय और सुरक्षा प्रदान करना है। कार्यक्रम के अंत में अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे आसपास किसी भी महिला के साथ हिंसा या उत्पीड़न की जानकारी होने पर तुरंत मिशन शक्ति हेल्पलाइन या वन स्टॉप सेंटर से संपर्क करें। यह पहल महिलाओं के आत्मसम्मान और सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम साबित हो रही है।

अंतर्राज्यीय मोबाइल-लैपटॉप चोरी गिरोह का भंडाफोड़, पाँच शातिर गिरफ्तार, 82 इलेक्ट्रॉनिक उपकरण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ पुलिस ने मंगलवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर और आसपास के इलाकों में सक्रिय अंतर्राज्यीय मोबाइल और लैपटॉप चोरी गिरोह का पर्दाफाश किया। पुलिस ने इस गिरोह के पाँच सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 65 मोबाइल फोन, 15 लैपटॉप, 2 टैबलेट और 2 मोटरसाइकिल बरामद की हैं। बरामद सामान की कीमत लाखों रुपये आंकी जा रही है। गिरफ्तार आरोपी तमिलनाडु के वेल्लोर जिले के रहने वाले हैं, जो संगठित रूप से चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे।घटना का खुलासा उस समय हुआ जब थाना मड़ियांव पुलिस टीम अजीजनगर चौराहे पर रोकथाम और चेकिंग अभियान में जुटी थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि आईआईएम रोड पर यादव चौराहे के पास कुछ संदिग्ध व्यक्ति बैग और दो मोटरसाइकिलों के साथ खड़े हैं, जिनमें चोरी का सामान होने की आशंका है। सूचना मिलते ही डीसीपी उत्तरी की क्राइम/सर्विलांस टीम और थाना मड़ियांव पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर पाँचों व्यक्तियों को मौके से पकड़ लिया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कार्तिक सीनिवासन (31 वर्ष), मुत्तू (30 वर्ष), गोपाल (27 वर्ष), हरि (30 वर्ष) और अजय नारायनन (50 वर्ष) के रूप में हुई है। ये सभी वेल्लोर, तमिलनाडु के निवासी हैं और लंबे समय से पेशेवर अपराधी गिरोह बनाकर चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह लखनऊ और आसपास के जनपदों में सुनियोजित तरीके से मोबाइल और लैपटॉप की चोरी करता था। चोरी किए गए इलेक्ट्रॉनिक सामान को यह लोग तमिलनाडु ले जाकर अपने नेटवर्क के जरिए स्थानीय बाजारों में बेचते थे। इस प्रकार चोरी से लेकर बिक्री तक की एक अंतर्राज्यीय श्रृंखला बनाकर यह गिरोह सक्रिय था।गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ लखनऊ और जालौन जनपद के विभिन्न थानों में एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। मुख्य आरोपी कार्तिक सीनिवासन के खिलाफ कोयम्बटूर, तमिलनाडु में भी चोरी और गुंडा एक्ट के कई मामले पंजीकृत हैं। पुलिस ने थाना मड़ियांव में मु0अ0सं0 587/2025 धारा 317(2)/317(4) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है और सभी अभियुक्तों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग में 8वॉ राष्ट्रीय पोषण माह एवं सेवा पखवाड़ा (17 सितंबर से 2 अक्टूबर) के अवसर पर नारी स्वास्थ्य एवं जागरूकता के कई कार्यक्रम हुए सम्पन्न

» स्वस्थ महिलायें ही बनाती हैं स्वस्थ एवं सशक्त परिवार : डा. सूर्यकान्त

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग में स्थापित पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन सेंटर द्वारा 17 सितम्बर से 30 सितम्बर तक सेवा पखवाड़ा तथा पूरे सितम्बर माह में पोषण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डा. सूर्यकान्त के नेतृत्व में मनाया गया। पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन सेंटर के संस्थापक प्रभारी डा. सूर्यकान्त ने बताया कि राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के अनुसार भारत की लगभग 57 प्रतिशत महिलाएँ एनीमिया से ग्रस्त हैं और उत्तर प्रदेश में यह समस्या और भी

गंभीर है। साथ ही हमारे देश एवं प्रदेश में काफी संख्या में लड़कियां व महिलायें सांस की बीमारियों से पीड़ति है। इन्हीं तथ्यों को ध्यान में रखते हुए विभाग द्वारा इस अवधि में विशेष स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सेवाएं प्रदान की गईं तथा महिलाओं की निःशुल्क फेफड़ों की जाँच (पीएफटी), निःशुल्क परामर्श व उपचार, पोषण भत्ता एवं पोषण पोटली वितरण, श्वसन रोग से पीड़ति महिलाओं का डाट्स केंद्र पर पंजीकरण तथा दीर्घकालिक श्वसन रोग से पीड़ति महिलाओं हेतु निःशुल्क पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन की सुविधा उपलब्ध कराई गई। डा0 सूर्यकान्त ने बताया कि विभाग में संचालित पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन एवं तम्बाकू छुड़ाने के लिए चलाये जा रहे प्रोग्राम से सहायता प्राप्त करने के लिए सोमवार से शुक्रवार प्रातः 9 बजे से सायं 3 बजे तक 9450997669 मोबाइल न. पर कॉल कर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

सेन्टर आफॅ एक्सीलेंस फॉर ड्रग रेसिस्टेन्ट टीबी केयर के संस्थापक प्रभारी डा. सूर्यकान्त ने बताया कि विभाग द्वारा एक गांव व स्लम एरिया को भी टीबी मुक्त करने के लिए गोद लिया गया है। विभाग में "निःक्षय मित्र" का कार्यक्रम भी संचालित है, जिसके अंतर्गत 100 से अधिक निःक्षय मित्र बनाये गये है जिसमें 50 से अधिक महिलायें भी शामिल है। निःक्षय मित्रों द्वारा टीबी के मरीजों को अब तक लगभग 1500 से अधिक पोषण पोटली प्रदान की जा चुकी है साथ ही 50 महिला रोगियां को पोषण भत्ता भी प्रदान किया जाता है। आज इस पोषण माह एवं सेवा पखवाडे के समापन के अवसर पर सभी महिलाओं के लिए टीबी एवं पोषण की जानकारी पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया और फल भी वितरण किया गया।

इस जागरूकता सेवा पखवाड़े के आयोजन में पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। डा. अंकित कुमार, डॉ. शिवम श्रीवास्तव, डॉ. प्रकृति मिश्रा, डाइटिशियन दिव्यानी गुप्ता और पवन कुमार पांडे की टीम द्वारा रोगियों के फेफड़ों की जांच, रिहैबिलिटेशन सत्रों और पोषण परामर्श प्रदान किया गया।

इस कार्यक्रम का सफल बनाने में रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के शिक्षक डा. एस के वर्मा, डा. आर ए एस कुशवाहा, डा. संतोष कुमार, डा. राजीव गर्ग, डा. दर्शन बजाज, डा. आनन्द श्रीवास्तव, डा. ज्योति बाजपेयी, समस्त जूनियर डाक्टर्स, समस्त डाट्स कर्मियों का सक्रिय योगदान रहा।

देश में आजादी के 75 साल बाद भी मेडिकल साइंस में पीछे क्यों?, आम आदमी को उपचार मिलना शेष है

विकसित और यूरोपीय देशों की तुलना में भारत मेडिकल साइंस में बहुत पीछे हैं जबकि अन्य देशों की तुलना में हम सबसे अधिक आबादी वाले देश हैं। भारत की तुलना में यूएस, यूरोपीय देश, सबसे आगे है।हम अपनी जनता को इलाज की जरूरत पूरी नहीं कर पाते हैं। जबकि भारत में 780 मेडिकल कॉलेज में 118000 सीट एमबीबीएस की हैं। आजादी के 78 साल बाद भी आम आदमी को सरकार की ओर से मुफ्त इलाज की सुविधा नहीं है। बड़े बड़े महानगरों में स्थापित बड़े और नामी ग्रामी अस्पताल धनाढ्य लोगों के लिए बने जो प्रतिदिन एक मरीज से पचास हजार रुपए तक बसूलते है। जबकि भारत में आम आदमी की औसत आय 15 से 20 हजार रुपए महीने है । सरकारी अस्पताल में अफरातफरी मची है और इलाज के लिए महीनों का इंतजार है और तब तक मरीज मौत के मुंह में समा जाता है।

स्टडी फॉर इंटरनेशनल मेडिकल साइंस की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया, अफ्रीका के देश मेडिकल साइंस में बहुत पीछे हैं। पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, इराक, सीरिया, लेबनान, लीबिया, और भारत में लोक स्वास्थ्य की हालत ठीक नहीं है।उसने इंग्लैंड के ग्लासको शहर को मेडिकल साइंस में अगरणीय माना है । बताया जाता है कि स्कॉटलैंड के इस शहर दवाइयां बिकती नहीं हैं बल्कि चिकित्सक के प्रिस्क्रिप्शन पर मुफ्त दी जाती हैं और यहां पर प्रत्येक नागरिक का एक आईडी है जिसमें उसके स्वास्थ्य का ब्यौरा है। बीमार होने पर एंबुलेंस लेकर जाती है और अस्पताल में भर्ती कराया जाता है और ठीक होने पर घर छोड़ा जाता है। इसका कोई व्यय नहीं होता है।

भारत के बारे माना जाता है कि जब एलोपॅथी का ईजाद नहीं हुआ था तब भी हमारे धन्वंतरि नामक ऋषि ने आर्युवेद से तत्कालीन समय में बहुत बीमारियों का उपचार विकसित किया । एलोपैथी की खोज लुई पाश्चर नामक वैज्ञानिक ने की

उन्होंने घोड़े की लीद से किडवान कर पेनिसिलिन नामक रक्षित द्रव्य बनाया। फिर शनै शनै तमाम यूरोपीय देशों ने दवाइयां बनाई , शल्य चिकित्सा आरंभ हुई।

भारत में ब्रिटिश राज्य में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए जिनमें किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज लखनऊ, मद्रास, ब्रिटिश रेजिडेंसी मेडिकल कॉलेज कलकत्ता, मिंटो मेडिकल कॉलेज देहली, लेडी इरबन मेडिकल कॉलेज, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज,आदि प्रमुख थे।

आजादी के बाद भारत सरकार ने 250 से अधिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल स्थापित किए।अब बढ़ाकर 780 हो चुके हैं । जवाहर लाल नेहरू ने एम्स देहली बनवाया।

भारत अब 145 करोड़ आबादी है । यूरोपीय देशों से तुलना करे तो 10000 से अधिक हॉस्पिटल होना चाहिए ।भारत में 500 से अधिक जिले और 4000 से अधिक तहसील हैं 5000 विधानसभा क्षेत्र है । आम आदमी को इलाज के लिए रिस्क कवर नहीं है ।आम आदमी को कैंसर, एम डी आर, न्यूरो तकलीफ,ब्लाइंड नेस, यूरोलॉजी, गैस्ट्रोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, आदि समस्या के निदान के लिए देहली, कोलकाता,मुंबई,चेन्नई, नागपुर, बनारस, आगरा, लखनऊ, चंडीगढ़, गोरखपुर, प्रयागराज, पुणे, ग्वालियर, इंदौर दरभंगा, पटना, बेगुसराय, सीतामढ़ी, आदि शहरों का रुख कर ना पड़ता है।जो आम आदमी के हैसियत से बाहर की बात है। वास्तव में देखा जाय तो स्वास्थ्य भारत में एक चुनौती कार्य है क्योंकि हम इतनी बड़ी जनसंख्या वाले देश हैं

नेशनल मेडिकल कमीशन की 2025 की रिपोर्ट में कहा है कि भारत को कम से कम 10000 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,5000 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,800 जिला अस्पताल, इतने ही मेडिकल कॉलेज और दो लाख एमबीबीएस की सीटे और 50000 हजार पोस्ट ग्रेजुएट डॉक्टर,5000 डीएम,एमसीएच, चिकित्सक चाहिए क्योंकि नव निर्मित और स्थापित मेडिकल कॉलेज में फैकल्टी का बहुत अभाव है।

मेडिकल कॉलेज, जिला आसपास में नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, गैस्ट्रोलॉजी, कार्डियो, ऑनकोलॉजी,के एसोसिएट, असिस्टेंट, प्रोफेसर डॉ नहीं हैं।

ऐसा भी नहीं है कि भारत में मेडिकल साइंस के क्षेत्र में कोई कार्य नहीं किया है। ट्यूबरक्लोसिस,पोलियो, घोंघा, आदि पर पूर्ण निवारण किया है।

पुलिस हिरासत में मौतें पुलिस तंत्र की भयावह तस्वीर है

राजस्थान में लगातार हो रही हिरासत में मौतों ने पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इन मामलों में पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध न कराना संदेह पैदा करता है। अदालत ने इस मामले में सभी संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है।

योगेंद्र योगी

बिहार के वैशाली में पुलिस कस्टडी में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस हिरासत में कथित मौत की यह घटना सुप्रीम कोर्ट के करीब एक सप्ताह पहले राजस्थान में ऐसी मौतों पर राज्य सरकार से जवाब तलब के बाद हुई है। यह पहला मौका नहीं है जब सुप्रीम कोर्ट ने हिरासत में मौतों को लेकर जवाब तलब किया है। इससे पहले भी ऐसी मौतों के मामले में सुप्रीम कोर्ट गाइड लाइन जारी कर चुका है। इसके बावजूद देश में लगातार ऐसी घटनाएं हो रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान में पुलिस हिरासत में मौतों को लेकर स्वतः संज्ञान लिया। देशभर के थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई। जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने हिरासत में मौत को लेकर रिपोर्ट पर कहा कि 2025 में पिछले 7-8 महीनों में अकेले राजस्थान में ही पुलिस हिरासत में 11 लोगों की मौत हुई है, जबकि, 5 साल पहले सुप्रीम कोर्ट एक ऐतिहासिक फैसला सुना चुका है। इसमें हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपने सभी थानों में सीसीटीवी कैमरे लगवाएं जाने के निर्देश दिए गए थे। इस रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि ऐसे मामलों में अक्सर पुलिस सीसीटीवी फुटेज देने से बचती है। इसके पीछे पुलिस की तरफ से कई तरह के कारण बताए जाते हैं, जैसे कि तकनीकी खराबी, फुटेज स्टोरेज की कमी, जांच जारी है या कानूनी प्रतिबंध।

कई मामलों में तो पुलिस ने फुटेज देने से सीधे इनकार कर दिया या जानबूझकर देरी की। अदालत ने साफ कहा था कि थाने का कोई भी हिस्सा निगरानी से बाहर नहीं होना चाहिए। लॉकअप से लेकर मेन गेट, कॉरिडोर, इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर के कमरे, ड्यूटी रूम और थाने का पूरा कैंपस सीसीटीवी कवरेज में होना चाहिए। साथ ही, सीबीआई, ईडी, एनआईए, एनसीबी और डीआरआई जैसे केंद्रीय जांच एजेंसियों के दफ्तरों में भी कैमरे लगाने के आदेश दिए गए थे। इनका डेटा कम से कम एक साल तक सुरक्षित रहे। इन मामलों से यह साफ है कि सुप्रीम कोर्ट के इन निर्देशों का पालन पूरी तरह से नहीं किया गया है। कोर्ट ने इस बात पर भी चिंता जताई है कि मानवाधिकारों के उल्लंघन की समीक्षा के लिए बनाई गई केंद्रीय और राज्य स्तरीय कमेटियां भी ठीक से काम नहीं कर रही हैं।

राजस्थान में लगातार हो रही हिरासत में मौतों ने पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इन मामलों में पुलिस द्वारा सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध न कराना संदेह पैदा करता है। अदालत ने इस मामले में सभी संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। विधानसभा में एक सवाल के जवाब में सरकार की ओर से बताया गया कि राजस्थान में बीते दो साल में पुलिस हिरासत में 20 लोगों की मौतें हुई। लेकिन किसी भी पुलिसकर्मी या पुलिस अधिकारी को मौत का दोषी नहीं माना गया। इनमें पांच व्यक्तियों की मौत हार्ट अटैक से होना बताया गया जबकि एक व्यक्ति ने कुएं में कूदकर सुसाइड कर लिया था। दो मामलों में संतरियों को 17 सीसी के नोटिस थमाए गए हैं। शेष 14 मामलों में अभी तक मौत का कोई कारण सामने नहीं आया है। पुलिस का कहना है कि इन मामलों की जांच करवाई जा रही है। पुलिस हिरासत में मौतों की खबर भारत में जैसे बहुत आम है। लगभग रोज़ अख़बारों में जेल में या पुलिस की हिरासत में मारे जाने वालों की ख़बर छपती है। 26 जुलाई 2022 को लोकसभा में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने जानकारी दी कि 2020 से 2022 के बीच 4484 लोगों की मौत हिरासत में हुई थी। मानवाधिकार आयोग ने माना कि 2021-22 में जेलों में 2152 लोग मारे गए। इनमें 155 मौतें पुलिस हिरासत में हुई थीं। लेकिन सवाल है, देश में हिरासत में इतनी मौतें क्यों होती हैं? क्या पुलिस व्यवस्था हिरासत में या जेल काट रहे क़ैदियों के साथ अमानवीय बरताव करती है? क्या वह क़ानूनों का खय़ाल नहीं रखती? कॉमन कॉज के एक सर्वे के मुताबिक ज़्यादातर पुलिसवाले टॉर्चर और हिंसा को अपने काम के लिए ज़रूरी मानते हैं। 30 फ़ीसदी पुलिसवाले गंभीर मामलों में थर्ड डिग्री टॉर्चर को सही मानते हैं। जबकि 9 फीसदी यहां तक मानते हैं कि छोटे-मोटे अपराधों में भी ये सही है।

प्रकाश कदम बनाम रामप्रसाद विश्वनाथ गुप्ता के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने फर्जी मुठभेड़ों पर अपनी नाराजगी व्यक्त की थी। न्यायालय ने कहा कि जिन मामलों में पुलिसकर्मियों के खिलाफ फर्जी मुठभेड़ साबित होती है, उन्हें दुर्लभतम मामलों में से दुर्लभतम मानते हुए मृत्युदंड दिया जाना चाहिए। पुलिसकर्मियों को चेतावनी दी गई कि उन्हें मुठभेड़ के नाम पर हत्या करने के लिए इस बहाने से माफ नहीं किया जाएगा कि वे अपने वरिष्ठ अधिकारियों या राजनेताओं, चाहे वे कितने भी बड़े क्यों न हों के आदेशों का पालन कर रहे हों। डी.के. बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि यातना को संविधान या अन्य दंडात्मक कानूनों में परिभाषित नहीं किया गया है। किसी मनुष्य द्वारा दूसरे मनुष्य को दी जाने वाली यातना, मूलतः कमज़ोर पर शक्तिशाली की इच्छा को पीड़ा देकर थोपने का एक साधन है। आज यातना शब्द मानव सभ्यता के अंधकारमय पक्ष का पर्याय बन गया है। यातना और अन्य क्रूर अमानवीय एवं अपमानजनक व्यवहार या दंड के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन पर हस्ताक्षर करने वाले 170 देशों में से, भारत उन आठ देशों में से एक है जिन्होंने अभी तक इस कन्वेंशन का अनुसमर्थन नहीं किया है। अपने उद्देश्यों और कारणों के विवरण में, विधेयक में कहा गया है कि इस कन्वेंशन का अनुसमर्थन भारत सरकार की बुनियादी सार्वभौमिक मानवाधिकारों के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। विधि आयोग की 273वीं रिपोर्ट में कहा गया कि हिरासत में मौतें सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं हैं, बल्कि भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में गहरी अस्वस्थता का लक्षण हैं। संवैधानिक गारंटी, कानूनी सुरक्षा उपायों और न्यायिक घोषणाओं के बावजूद, हिरासत में यातना और दुर्व्यवहार का प्रयोग व्यापक रूप से जारी है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि जहाँ किसी लोक सेवक को हिरासत में यातना देना साबित हो जाता है, वहाँ यह साबित करने का भार कि यातना जानबूझकर नहीं दी गई थी, या लोक सेवक की सहमति से नहीं दी गई थी, लोक सेवक पर आ जाएगा। आयोग के मसौदे में हिरासत में किसी व्यक्ति की मृत्यु होने पर मृत्युदंड या आजीवन कारावास की सज़ा का भी प्रावधान था। मसौदे में पीड़ित को मुआवज़ा देने का भी प्रावधान था। यह रिपोर्ट धूल चाट रही है। राजनीतिक दलों को ऐसे मामलों में तभी चिंता होती है, जब वे विपक्ष में होते हैं। सत्ता मे आते ही नेता गिरगिट की तरह रंग बदलने लगते हैं। केंद्र सरकार ने हाल ही में पुलिस कानूनों में सुधार किया है, किन्तु हिरासत में मौतें और प्रताडना जैसे मामलों में जिम्मेदारी तय नहीं की गई और न ही किसी तरह के मुआवजे का प्रावधान किया गया। पुलिस के खिलाफ ऐसे मामलों में जब तक कठोर कानून नहीं बनेगा, तब तक हिरासत में मौतों से देश शर्मसार होता रहेगा।

अजब-गजब

बंदे ने ऑनलाइन मंगवाई चांदी तो ऐसा हुआ खेल, डिलीवरी देख उड़ गए ग्राहक के होश

ऑनलाइन शॉपिंग डिलीवरी ऐप्स ने एप्स की वजह से आजकल लोगों की जिंदगी काफी आसान हो गई है। अब किराने से लेकर खाने-पीने की हर चीज बस कुछ क्लिक पर घर के दरवाजे तक पहुंच जाती है। मिनटों में सामान डिलीवर होना अब आदत जैसा बन गया है। लेकिन कभी-कभी यह सुविधा उम्मीद से बिल्कुल अलग अनुभव में भी बदल सकती है। हाल ही में एक यूजर के साथ कुछ ऐसा हुआ कि उसका किस्सा सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

यह मामला स्विगी से जुड़ा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर विनीत के नाम के यूजर ने अपना अनुभव शेयर किया। उन्होंने बताया कि उन्होंने स्विगी से चांदी के सिक्के ऑर्डर किए थे। ऑर्डर कन्फर्मेशन और स्क्रीनशॉट के साथ जब डिलीवरी की बारी आई तो जो सामान उनके हाथ में आया, उसे देखकर वे हैरान रह गए। डिलीवरी बॉय उनके घर एक कैरी बैग लेकर पहुंचा। लेकिन उस बैग में चांदी के सिक्के नहीं, बल्कि मैगी और हल्दीराम के स्नैक्स के पैकेट रखे हुए थे।

इसे देखकर विनीत को पहले तो झटका लगा, क्योंकि उनकी उम्मीद पूरी तरह अलग थी। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा कि पूरे ऑर्डर में एक ही पाउच ऐसा था जो सीलबंद था, और वही संभवतः असली ऑर्डर था। डिलीवरी पार्टनर ने विनीत से कहा कि कंपनी के नियमों के अनुसार वह पाउच को खोलकर नहीं दिखा सकता। उनके पास सिर्फ दो विकल्प थे या तो पूरा बैग ले लें या ऑर्डर कैंसिल कर दें। यह स्थिति विनीत के लिए काफी अजीब थी। उन्होंने बताया कि कस्टमर केयर से बात करने में ही लगभग 40 मिनट लग गए। आखिरकार उन्होंने सिर्फ वही सीलबंद पाउच लेने का फैसला किया और बाकी सामान वापस कर दिया। डिलीवरी बॉय से मजाक में उन्होंने यहां तक कह दिया कि अगर ये पैकेट वापस नहीं लिए जा सकते तो वह खुद ही खा ले।

लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। जब उन्होंने पाउच खोला और देखा तो पाया कि उसमें जो चांदी के सिक्के मिले हैं, वे भी पूरी तरह वैसा नहीं था जैसा उन्होंने ऑर्डर किया था। उन्होंने खासतौर पर 999 स्टर्लिंग सिल्वर (शुद्धता के उच्च स्तर वाली चांदी) ऑर्डर की थी, लेकिन डिलीवरी में उन्हें 925 स्टर्लिंग सिल्वर मिला। यानी न सिर्फ ऑर्डर में गड़बड़ी हुई, बल्कि शुद्धता भी कम निकली। विनीत ने अपने पोस्ट में लिखा कि यह अनुभव उनके लिए बेहद निराशाजनक रहा। उन्होंने साफ कहा कि स्विगी जैसी बड़ी कंपनी से ऐसी लापरवाही की उम्मीद नहीं की जा सकती। गलत ऑर्डर, गलत प्रोडक्ट और कम क्वालिटी की चांदी, यह सब एक बड़ी चूक को दर्शाता है।

उनकी पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगी। कई लोगों ने इस अनुभव पर हैरानी जताई तो कुछ ने मजाक में कहा कि कम से कम उन्हें मैगी और स्नैक्स तो मिले। वहीं कुछ लोगों ने इसे ऑनलाइन डिलीवरी सिस्टम की खामियों से जोड़ा और कहा कि ऐसी गड़बड़ियां यूजर्स का भरोसा तोड़ सकती हैं। मामला सोशल मीडिया पर फैलते ही स्विगी की सपोर्ट टीम भी तुरंत सक्रिय हो गई। @SwiggyCares ने उनके पोस्ट पर जवाब देते हुए लिखा कि विनीत, हम आपके लिए ऐसा बिल्कुल नहीं चाहते। कृपया अपनी ऑर्डर आईडी हमारे साथ साझा करें ताकि हम इस मामले की जांच कर सकें।

इसके बाद विनीत ने अपनी ऑर्डर आईडी भी शेयर कर दी और मामले को तुरंत सुलझा दिया गया। विनीत का यह अनुभव बाकी ग्राहकों के लिए भी एक तरह की चेतावनी है। यह बताता है कि डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स से हमें समय पर सामान तो मिल जाता है, लेकिन क्वालिटी और ऑर्डर की सटीकता पर नजर रखना भी जरूरी है।

ब्लॉग

एक अतुल्यै पर्यटन स्थल के रूप में भारत का विकास

रितेश अग्रवाल

भारत की समृद्ध संस्कृति, आध्यात्मिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व इसे दुनिया भर के पर्यटकों के लिए एक मनपसंद पर्यटन स्थरल बनाते हैं। फिर भी, इस क्षेत्र को वर्तमान मोदी सरकार के कार्यकाल में ही वह प्राथमिकता मिली है जिसका यह हकदार है—अर्थव्यवस्था के प्रमुख चालक और सॉफ्ट पावर के एक साधन, दोनों ही रूपों में। प्रधानमंत्री मोदी ने इस क्षमता को गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए भी पहचाना था। पर्यटन भारत में अब

केवल फुरसत में छुट्टियां बिताने का साधन भर नहीं रह गया है; यह रोज़गार, गौरव और विश्व मानचित्र पर भारत को स्थोपित करने का माध्यहम भी बन गया है। पिछले एक दशक के दौरान, भारत में परिवहन अवसंरचना का व्यापक विस्तार हुआ है। राजमार्ग, रेलवे और विमानन नेटवर्क उन क्षेत्रों तक पहुँच चुके हैं, जो पहले दुर्गम हुआ करते थे। स्वदेश दर्शन (विषय-आधारित पर्यटन) और प्रशाद - तीर्थयात्रा पुनरुद्धार एवं आध्यात्मिक संवर्धन अभियान - जैसी योजनाओं ने आस्था और संस्कृति के प्राचीन मार्गों को पुनर्जीवित किया है और साथ ही छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर भी पैदा

किए हैं। पिछले दशक के दौरान निर्मित प्रत्येक राजमार्ग, हवाई अड्डा और तीर्थ गलियारा केवल अवसंरचना मात्र नहीं है - यह भारत की विरासत की ओर एक सेतु है।

मोदी के विज़न ने अध्यात्म, स्वास्थ्य, एडवेंचर और व्यावसायिक पर्यटन पर जोर देते हुए अतुल्य भारत 2.10 में नई जान फूंक दी है। बौद्ध सर्किट, रामायण सर्किट जैसे विशेष सर्किट, वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी लाखों लोगों को आकर्षित करने वाली ऐतिहासिक परियोजनाएं हैं। केदारनाथ, जो कभी त्रासदी से तबाह हो गया था, साल 2024 में 16 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों का स्वागत करने के लिए फिर से तैयार हो गया। एक दशक पहले तक यह आंकड़ा केवल 40,000 का था। महाकाल की नगरी के रूप में पुनर्जीवित उज्जैन ने साल 2024 में 7.32 करोड़ आगंतुकों को आकर्षित किया। काशी ने 11 करोड़ तीर्थयात्रियों का स्वागत किया, जबकि बोधगया और सारनाथ ने साल 2023 में 30 लाख से अधिक साधकों को आकर्षित किया। अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा के केवल छह महीनों के भीतर, 11 करोड़ से अधिक भक्तों ने दर्शन किए। महाकुंभ 2025, विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम, में 65 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए। केदारनाथ का पुनरुद्धार, काशी का कायाकल्प, और अयोध्या का पुनर्जन्म यह दर्शाता है कि किस प्रकार आस्था और अवसंरचनाएं मिलकर यात्रा को पुनर्परिभाषित कर सकते हैं।

डिजिटल इंडिया और स्मार्ट सिटीज़ पर ध्यान केंद्रित करने से बुनियादी ढाँचों और पहुँच में और सुधार हुआ है। आधुनिक हवाई अड्डे, उन्नत राजमार्ग, बेहतर रेल संपर्क और निर्बाध डिजिटल बुकिंग प्रणालियों ने यात्रा को और अधिक सुविधाजनक और विश्वसनीय बना दिया है। डिजिटल ऐप्स, बहुभाषी हेल्पलाइन और अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी भले ही छोटे बदलाव लगें, लेकिन इन सबने मिलकर भारत को दुनिया के सबसे ज़्यादा यात्री-अनुकूल

स्थलों में से एक बना दिया है। साथ ही, वीज़ा मानदंडों में ढील और विस्तारित ई-वीज़ा नीति ने विदेशी पर्यटकों के आगमन को उल्लेखनीय रूप से बढ़ावा दिया है। सरकार ने इको-टूरिज्म, वेलनेस टूरिज्म और एडवेंचर स्पोर्ट्स को भी बढ़ावा दिया है, जिससे यह सुनिश्चित हुआ है कि भारतीय पर्यटन का भविष्य

संतुलन में है - विकास के साथ-साथ स्थायित्वी, बुनियादी ढाँचों के साथ-साथ विरासत और आधुनिकता के साथ-साथ परंपरा। जी-20 शिखर सम्मेलन जैसे उच्च-स्तरीय वैश्विक आयोजनों की भारत द्वारा मेज़बानी ने न केवल आतिथ्य सत्कार, बल्कि सांस्कृतिक गहराई को भी प्रदर्शित किया। ऐसे अवसरों ने भारत को एक आधुनिक अर्थव्यवस्था और एक शाश्वत सभ्यता, दोनों के रूप में स्थापित किया, जिसने अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया और विदेशों से अधिक से अधिक पर्यटकों को प्रोत्सा,हित किया।

नीतियों से परे, मोदी जी जिस तरह से भारतीय संस्कृति और पर्यटन स्थलों का समर्थन करते हैं, उसका एक व्यक्तिगत पहलू भी है। योग को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाने से लेकर केदारनाथ में नंगे पैर चलने और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के पानी में गोता लगाने तक, उन्होंने न केवल भाषणों के माध्यम से, बल्कि अपने अनुभवों के माध्यम से भी दुनिया को भारत से परिचित कराया है। ऐसा करके, वे स्वयं एक सांस्कृतिक राजदूत बन गए हैं, और

इस विचार को पुष्ट कर रहे हैं कि ब्रांड इंडिया का निर्माण केवल बोर्डरूम या नीतिगत दस्तावेजों में ही नहीं, बल्कि वाराणसी के घाटों, हिमालय की चोटियों और केरल के तटों पर भी हो रहा है। श्री मोदी पर्यटन का सिफ़र् समर्थन ही नहीं करते; वे उसे साकार भी करते हैं। सोशल मीडिया पर भारतीय स्थलों का बार-बार प्रदर्शन, भाषणों में स्थानीय त्योहारों और परंपराओं का ज़क्रि, और भारतीयों से 'पहले भारत को जानो का आह्वान, इन सबने घरेलू पर्यटन के प्रति गौरव का भाव जगाया है। यहाँ तक कि आधिकारिक दौरों पर उनका पहनावा — चाहे नागा शॉल हो, हिमाचली टोपी हो या तमिल वेष्टि — क्षेत्रीय पहचान और परंपराओं के प्रति उनका सम्मानट होता है, जो विविधता में एकता का प्रतीक है।

एक राष्ट्रीय नेता और एक वैश्विक राजनेता, दोनों के रूप में मोदी भारत की सौम्य शक्ति, संस्कृति और आध्यात्मिकता के महत्व को समझते हैं। संयुक्त राष्ट्र, विश्व आर्थिक मंच और जी-20 शिखर सम्मेलन में उनके संबोधन अक्सर भारत की विरासत को गौरवान्वित करते हैं। योग और आयुर्वेद के प्रति उनके वैश्विक प्रोत्साहन ने भारत को समग्र स्वास्थ्य के केंद्र के रूप में स्थापित किया है। आज, देश भर के ध्यारन-आश्रम 120 से अधिक देशों के साधकों को

आकर्षित करते हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि कैसे प्राचीन पद्धतियां दुनिया भर में आधुनिक जीवनशैली को आकार दे रही हैं।

इस प्रकार, उनके नेतृत्व में पर्यटन रोज़गार, विकास और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। भारत में साल 2024 में घरेलू पर्यटकों की संख्याआ 294.176 करोड़ थी, जो पिछले वर्ष की तुलना में 17.136त्न अधिक है। जैसे-जैसे यह क्षेत्र निरंतर विस्तृोत हो रहा है, भारत न केवल अपने अतीत का जश्न मना रहा है, बल्कि एक ऐसे भविष्य का निर्माण भी कर रहा है जहाँ हर क्षेत्र का वैश्विक मानचित्र पर अपना एक स्थान हो। प्रत्येक

राज्य, शहर और गाँव को अब अपनी कहानी कहने का अवसर मिला है—और मोदी जी के नेतृत्व में ये कहानियाँ दुनिया तक पहुँच रही हैं।

एक ऐसे नेता के साथ जो 'ब्रांड इंडिया की शक्ति में विश्वास रखता है, भारतीय पर्यटन का भविष्य मजबूत, गतिशील और चिरस्थाडयी है।

(लेखक एक आतिथ्य श्रृंखला, प्रिज्म के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं। इस लेख में व्यक्त विचार और राय उनके निजी हैं।)

25 लाख, 80 लाख फिर सीधे 50 करोड़: तीन मर्डर कर बीमा पॉलिसी का फायदा उठाता रहा शख्स, करने वाला था चौथी हत्या, तभी...

आर्यावर्त संवाददाता

हापुड़। जीवन बीमा हमारे और हमारे परिवार के भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित करने का एक तरीका है। अगर कहीं कभी कोई अनहोनी होती है तो यही बीमा पॉलिसी हमें आर्थिक राहत देती है। मगर कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो इन बीमा पॉलिसी का गलत फायदा उठाते हैं। ऐसा ही एक शख्स है हापुड़ का विशाल कुमार। इस शख्स ने पहले पत्नी, माता और पिता का बीमा करवाया। बाद में उन्हें बारी-बारी से मारता गया। फिर उनके बीमा के पैसों को हड़पता रहा। मगर जल्द ही उसका भंडाफोड़ हो गया।

दरअसल, सम्भल जिले की अपर पुलिस अधीक्षक (ASP) अनुकृति शर्मा ने सभी बीमा कंपनियों से सस्पेक्टेड पॉलिसी की डिटेल्स मांग रखी थी। इस दौरान निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी के प्रतिनिधि संजय कुमार ने ASP को मेरठ के मुकेश चंद सिंघल की 64 बीमा पॉलिसी होने के बारे में बताया। ये सभी बीमा पॉलिसी साल-2018 से 2023 के बीच हुई थीं।

इसी बीच विशाल ने 25 जनवरी 2024 से 6 फरवरी 2024 के बीच 4 गाड़ियां टोयोटा लीजेंडर, निसान मेगनाइट, ब्रेजा और रॉयल इन्फील्ड लोन पर खरीदीं। जबकि, मुकेश महीने का सिर्फ 25 हजार रुपये ही कमाता है। ASP अनुकृति शर्मा ने बताया- हमें मुकेश पर शक गहराया। जांच आगे बढ़ाई गई तो पता चला कि विशाल के घर में 3 सदस्यों की मौत हुई थी। उन सभी के बीमा की रकम विशाल को मिली थी।

चार शादियां की थीं विशाल ने

जांच में आगे पता चला कि विशाल ने कुल चार शादियां की थीं। पहली पत्नी और मां की बीमा पॉलिसी से वो एक करोड़ 5 लाख रुपए हासिल कर चुका था। इसके अलावा पिता की मौत से दो पॉलिसी के 50 लाख रुपए पा चुका था। अभी 62 और पॉलिसी के करीब 50 करोड़ रुपए आने थे।

चौथी पत्नी ने खोले पति के राज

विशाल की दूसरी और तीसरी पत्नियां कहां है, इसका पता लगाया जा रहा है। मगर एक न्यूज एजेंसी ने जब विशाल की चौथी बीवी से बात की तो उसने कई राज उगले। बोली- मैं मेरठ की रहने वाली हूं। मेरी शादी विशाल से फरवरी 2024 में हुई थी। शादी के एक-दो दिन बाद ही मुझे पता चल गया था कि वो कई शादियां कर चुका है।

विशाल ने मुझसे कहा था कि उसके पिता की 5-7 दिन में मौत होने वाली है। मैं यह जानकर हैरान थी क्योंकि ससुर जी तो बिल्कुल हट्टे कट्टे थे। मैंने विशाल से इस बारे में पूछा तो वो बातों को घुमाने लगा। बाद में विशाल ने मुझे सरेआम धमकी दी कि ससुर को मारने में मैं उसकी मदद करूं। क्योंकि उसने ससुर के नाम पर 60 करोड़ का बीमा करवा रखा था। मैंने मना किया तो उसने मुझे मार डालने की धमकी दी। यहां तक कि मेरा भी उसने 3 करोड़ का बीमा करवा रखा था।

ऐसे बच निकली चौथी बीवी, नहीं तो...

आगे बोली- ससुर की मौत के बाद बीमा कंपनियों के इन्वेस्टिगेटर हमारे घर आने लगे। तब मैं समझ गई कि वो मुझे भी इसी तरह मार सकता है। विशाल ने मुझसे एक रात इतनी मारपीट की कि मैं मर ही जाती। मगर मैंने फोन करके पापा और भाई को बुला लिया। इसके बाद मैं उनके साथ मायके चली गई। हालांकि, कई बार विशाल ने मुझे वापस बुलाने की कोशिश की। मुझे घुमाने फिराने का भी लालच दिया। मगर मैं उसके पास वापस नहीं लौटी।

विशाल ने पुलिस के सामने उगले सारे राज

पुलिस ने जब विशाल और उसके सहयोगी को पकड़ा तो पहले के सारे राज उसने उगल डाले। विशाल ने अपना जुर्म कबूल करते हुए कहा- 22 जून 2017 को मैं मां प्रभा देवी को लेकर बाइक से जा रहा था। मैंने खुद बाइक का एक्सीडेंट करवाया। इसमें मां की मौत हो गई। तब पुलिस ने जांच करके एक्सीडेंट की रिपोर्ट फाइल की। इस आधार पर प्रभा देवी की बीमा पॉलिसी के 25 लाख रुपए मुझे मिल गए।

80 लाख का बीमा निकलवाया

विशाल ने बताया- फिर मैंने पहली पत्नी एकता सिंघल की साल-2022 में हत्या कर डाली। नामचीन अस्पताल से मेरी सांठ-गांठ थी। मैं वहीं से मनमाफिक डॉक्यूमेंट्स बनवा लेता था, जिससे आसानी से बीमा का पैसा मिल सके। इस बार भी मैंने बीमारी से मौत दिखाकर एकता की बीमा पॉलिसी के 80 लाख रुपए निकलवा लिए।

62 पॉलिसी का पैसा आना बाकी था

आरोपी ने आगे बताया- 1 अप्रैल 2025 को मैंने पिता मुकेश सिंघल का एक्सीडेंट करवाया। 2 अप्रैल को उनकी मौत हो गई। मौत से पहले मुकेश के नाम कुल 64 बीमा पॉलिसी थीं। जिनकी रकम 50 करोड़ रुपए से ज्यादा है। इनमें 2 पॉलिसी का पैसा आ चुका था। बाकी की जांच चल रही थी। तभी ये केस पकड़ में आ गया। विशाल के साथी सतीश कुमार को भी पुलिस ने अरेस्ट किया है।

हनुमानगढ़ी के प्रसाद में मिलावट, दो नमूने जांच में फेल ; चेतावनी के बाद भी नहीं सुधरे विक्रेता

आर्यावर्त संवाददाता

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या के प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी के प्रसाद में मिलावट पाई गई है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जांच में यह खुलासा हुआ कि हनुमानगढ़ी में हनुमंत लला को चढ़ाए जाने वाले बेसन के लड्डू और देसी घी शुद्ध नहीं हैं। विभाग की ओर से लिए गए तीन नमूनों में से दो फेल हो गए।

अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं में से लगभग 99 प्रतिशत लोग हनुमानगढ़ी और रामलला के दर्शन जरूर करते हैं। राम जन्मभूमि परिसर में प्रसाद ले जाने पर रोक है, लेकिन कनक भवन और हनुमानगढ़ी में भक्त अपनी श्रद्धा के अनुसार भोग प्रसाद चढ़ाते हैं। हनुमानगढ़ी में परंपरागत रूप से बजरंगबली को बेसन के लड्डू अर्पित किए जाते हैं।

हनुमानगढ़ी की सागरिया पट्टी के उत्तराधिकारी महंत संजय दास ने पहले ही प्रसाद विक्रेताओं को चेतावनी दी थी कि लड्डू केवल उच्च क्वालिटी के बेसन और देसी घी से तैयार किए जाएं। यहां तक कि लड्डू का रेट भी 450 से 500 रुपये प्रति किलो तय किया गया था। इसके बावजूद जांच में मिलावट सामने आना चिंताजनक है।

अयोध्या धाम की एक दुकान से लिया गया पनीर का नमूना भी जांच में फेल हुआ है। अब सवाल यह उठता है कि जब आस्था और स्वास्थ्य दोनों जुड़े हों, तो क्या प्रशासन और मंदिर प्रबंधन मिलावटखोरों पर सख्त कार्रवाई करेगा।

हॉस्पिटल में लापरवाही, महिला की करंट से मौत

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जिले में निजी अस्पतालों की लापरवाही का एक और मामला सामने आया है। अभी तक इलाज में लापरवाही से मरीजों की मौत की खबरें आती रही थीं, लेकिन अब नगर कोतवाली क्षेत्र के नईगंज स्थित ट्यूलिप हॉस्पिटल में एक तीमारदार महिला की उस समय जान चली गई। जब वह वाटर कूलर के पास वह करंट की चपेट में आ गयी।बताते है कि सरपतहा थाना क्षेत्र के सुइथा गांव निवासी लालती देवी इलाज के लिए भर्ती थीं। उनकी तिमारदारी में बेटा प्रदीप गौड़, बहू गुड़िया समेत पूरा परिवार मौजूद था। सुबह करीब साढ़े दस बजे परिजन पानी भरने के लिए हॉस्पिटल परिसर में लगे वाटर कुलर के पास पहुंचे। वहां सकरी जगह में दो बड़े जनरेटर सेट के बीच वाटर कुलर लगाया गया था। पानी भरते वक्त तीमारदार गुड़िया करेंट की चपेट में आ गई। परिजनों का आरोप है कि करेंट लगने के बाद डॉक्टर और स्टाफ ने इलाज तक करने से मना कर दिया, किसी ने छूने तक की कोशिश नहीं की। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की जानकारी मिलते ही परिजन भड़क उठे और हॉस्पिटल में हंगामा किया। लोगों का कहना है कि अस्पताल ने सुरक्षा मानकों की खुलेआम अनदेखी की है। सकरी जगह में जनरेटर और वाटर कुलर लगाने से यह हादसा हुआ, जिससे साफ है कि अस्पताल प्रशासन की लापरवाही ने एक महिला की जान ले ली। निजी अस्पतालों मे महीने में कई बार लापरवाही से मौत होती है लेकिन कार्यवाही के नाम पर सब लीपापोती कर दी जाती है। आरोप में अधिकारी जांच के नाम पर मोटी रकम वसूलते है और अस्पतान और वहां की व्यवस्था में कोई चूक नहीं दर्शाते जा मरीजो और उनके तीमारदारों के लिए जीवन भर का रोना बन जाते है और विभाग ऐसे मामलों में कमाई कर किनारे हट जाता है।

पुलिस ने फिर नजरबंद किए सपा सांसद रामजीलाल सुमन, घर के रास्ते पर लगाई बैरिकेडिंग ; समर्थकों की जुटी भीड़

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। आगरा पुलिस ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन को एक बार फिर घर में नजरबंद कर दिया है। उनके आवास के रास्तों पर पुलिस ने बैरिकेडिंग लगा दी। इसकी सूचना मिलते ही समर्थकों की भीड़ जुटना शुरू हो गई। पुलिस इस दौरान अलर्ट दिखाई दी।

संजय प्लेस स्थित एचआईजी फ्लैट निवासी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन मंगलवार सुबह गिजौली जाने वाले थे। इस सूचना पर उनके घर पर पुलिस पहुंच गई। सपा सांसद को नजरबंद कर दिया गया। उनके आवास के रास्ते पर बैरिकेडिंग लगा दी गई। इसकी जानकारी मिलते ही तमाम समर्थकों की भीड़ उनके आवास पर जुटना शुरू हो गई। हालांकि पुलिस ने किसी को भी वहां एकत्रित नहीं होने दिया।

बता दें रामजीलाल सुमन के नेतृत्व में 17 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल खंदौली क्षेत्र के गांव गिजौली जाने वाला था। ये वही गिजौली है, जहां पिछले दिनों दो पक्षों में विवाद हो गया था। हालांकि इस विवाद में समझौता हो चुका है। पुलिस ने गिजौली में शांति भंग करने की कोशिश करने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी दी है। सपा सांसद सुमन पिछले दिनों भी गिजौली गए थे। पुलिस अधिकारी से वार्ता में एक पक्ष को उन्होंने रावण कह दिया था, जिस पर राजनीत शुरू हो गई थी।

सीएम योगी की फोटो से छेड़छाड़ करने वाला दबोचा, खौफनाक था आरोपी का इरादा

आर्यावर्त संवाददाता

लोनी (गाजियाबाद)। गाजियाबाद के लोनी में उत्तरांचल विहार सोसायटी में रहने वाले युवक ने मुख्यमंत्री की फोटो के साथ छेड़छाड़ कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। वहीं, लोगों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ शांति भंग करने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर गिरफ्तार किया है।

तिलक राम कॉलोनी निवासी मोहन शर्मा ने उत्तरांचल विहार सोसायटी निवासी सैफ के खिलाफ प्रदेश के मुख्यमंत्री की फोटो के साथ छेड़छाड़ कर धमकी भरे गाने के साथ फेसबुक आईडी पर वायरल करने की शिकायत पुलिस से की।

शिकायत में बताया कि आरोपी ने क्षेत्र का माहौल बिगाड़ने और दंगा भड़काने के नीयत से सोशल मीडिया पर फोटो वायरल की है।

एसीपी अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की है।

चोरों के डर से महिला लेकर जा रही थी गहने, ई-रिक्शा चालक लेकर भागा, सीसीटीवी से तलाश में लगी पुलिस

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। बड़गो न्यू कॉलोनी वार्ड नंबर 11 की रहने वाली बसंती देवी का जेवर समेत बैग लेकर ई-रिक्शा चालक फरार हो गया। वह चोरों के डर से जेवर लेकर बहन के घर संतकबीरनगर जा रही थी। मौलवी चक से उन्होंने ई-रिक्शा पकड़ा था। सीसी कैमरे में चालक समेत गाड़ी जाते हुए कैद है। सूचना पर रामगढ़ताल थाना पुलिस चालक की तलाश कर रही है।

सोमवार की शाम बसंती देवी घर में रखे जेवर को बैग में रखकर बहन के घर निकली। मौलवी चक से उन्होंने रुस्तमपुर ढाला पर रोडवेज पकड़ने के लिए ई-रिक्शा पकड़ा। रास्ते में दुर्गा प्रतिमा देखकर वह पूजा करने के लिए रिक्शा से उतर गईं। इसी बीच मौका पाकर ई-रिक्शा चालक उनका बैग लेकर फरार हो गया। बैग में कपड़े और करीब तीन लाख रुपये के सोने-चांदी के गहने थे।

जानकारी मिलने पर पहुंची पुलिस और सीसीटीवी से पकड़ने में जुटी

जब तक बसंती देवी कुछ समझ पातीं, चालक आंखों से ओझल हो चुका था। घटना की जानकारी मिलते ही रामगढ़ताल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पास में लगे सीसी कैमरे के फुटेज खंगाले। फुटेज में ई-रिक्शा चालक की तस्वीर कैद हो गई है। पुलिस उसका पता लगाने के लिए छापेमारी कर रही है। पीड़िता बसंती देवी ने बताया कि चोरों के डर से वे जेवर सुरक्षित रखने के लिए बहन के घर ले जा रही थीं।

बारिश के साथ चमकी बिजली, सिग्नल के उड़े फ्यूज, हाथरस जंक्शन स्टेशन पर रुकी बनारस वंदे भारत एक्सप्रेस

आर्यावर्त संवाददाता

हाथरस। दिल्ली से बनारस जा रही 22436 वंदे भारत एक्सप्रेस हाथरस जंक्शन स्टेशन के आउटर पर अचानक रुक गई। जहां सिग्नल न मिलने के चलते ट्रेन करीब 5 मिनट तक रुकी रही। स्टैंड को मैन्युअल सिग्नल के आधार पर हाथरस जंक्शन स्टेशन तक लाया गया। वहां करीब एक मिनट रुकने के बाद ट्रेन को कानपुर के लिए रवाना कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 30 सितंबर को सुबह से हो रही बारिश के दौरान चमकी बिजली के कारण सिग्नल के कुछ फ्यूज उड़ गए, जिसके कारण तकनीकी दिक्कत आ गई। जिसके चलते करीब चार ट्रेनों को मैन्युअल सिग्नल के जरिए रवाना किया गया।

आरपीए प्रभारी हाथरस जंक्शन स्टेशन डीपी सिंह का कहना है कि वंदे भारत एक्सप्रेस को एक मिनट रोकने के बाद रवाना कर दिया गया है। ट्रेनों का आवागमन पूरी तरह से जारी है।

यूपी में भेड़ियों की दहशत: बहराइच में दंपती को जिंदा चबाया, बचने के लिए हाथ-पैर पटकते रह, घर में कैद ग्रामीण

आर्यावर्त संवाददाता

बहराइच। बहराइच में मंझारा तौकली ग्राम पंचायत में सोमवार रात भेड़ियों ने फिर कहर बरपाया। गांव प्यारे पुरवा में अहाते में सो रहे बुजुर्ग दंपती पर भेड़ियों ने हमला कर उन्हें जिंदा चबा लिया। घटना में पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, देवनाथ पुरवा और भृगु पुरवा में भेड़ियों के हमले से महिला समेत दो लोग घायल हुए हैं। लगातार हो रहे हमलों से गांवों में दहशत का माहौल है।

घर से 200 मीटर दूर सो रहे थे

पुरवा निवासी खेदन (70) पुत्र जनार्दन और उनकी पत्नी मनकी (65) रोज की तरह सोमवार रात घर से करीब 200 मीटर दूर बने अहाते में सो रहे थे। आधी रात लगभग 1 से 2 बजे के बीच भेड़ियों का झुंड वहां आ पहुंचा। सोते समय ही दंपती पर हमला कर दिया। दोनों के हाथ-पांव और शरीर के कई हिस्सों को भेड़िये चबा गए। गले और चेहरे पर गहरे जख्म मिले।

गांव वालों पर भी किया हमला

सुबह देर तक दंपति घर नहीं पहुंचे तो उनका बेटा झब्बर खोजते हुए अहाते पहुंचा। वहां मां-बाप के क्षत-विक्षत शव देखकर उसकी चीख निकल गई। गांव के लोग इकट्ठा हुए तो सभी सन्न रह गए। ग्रामीणों का कहना है कि गन्ने के खेतों में भेड़ियों का झुंड घूमता देखा गया है। इसी रात भेड़ियों ने देवनाथ पुरवा की सेबरी (30) और भृगु पुरवा के रामू पर भी हमला कर उन्हें घायल कर दिया। दोनों का इलाज जारी है।

डीएफओ से बंद किया फोन

गांव में फैली दहशत को देखते हुए लोग रात में जागकर पहरा दे रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद अभी तक वन विभाग का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है। डीएफओ राम सिंह यादव दो दिन से न मीडिया से बात कर रहे हैं और न ही फोन रिसीव कर रहे हैं।

जिले में भेड़ियों के 80 से अधिक हमले

बिलखते हुए मां ने कहा कि हमला भेड़िये ने किया। कुछ ग्रामीणों का दावा है कि उन्होंने तेंदुए को देखा है। वन विभाग अभी तक पक्के तौर पर कुछ कह नहीं पा रहा है। 10 मार्च 2024 से अब तक जिले में भेड़ियों के 80 से अधिक हमले हो चुके हैं।

भेड़िये के हमले में हुई मौतों पर एक नजर

10 मार्च 2024 : मिश्रनपुरवा निवासी सायरा (03)

23 मार्च 2024 : नयापुरवा निवासी छोटू (02)

17 जुलाई 2024 : मक्कापुरवा निवासी अख्तर रजा (डेढ़ वर्ष)

27 जुलाई 2024: नकवा निवासी प्रतिभा (2)

03 अगस्त 2024 : कोलैला निवासी किशन (07)

18 अगस्त 2024 : सिंगिया नसीरपुर निवासी संध्या (04)

22 अगस्त 2024: भटौली निवासी खुशबू (04)

25 अगस्त 2024 : कुम्हारनपुरवा निवासी रीता देवी (52)

26 अगस्त 2024 : दिवानपुरवा निवासी अयांश (05)

01 सितंबर 2024 : नववन गरेठी निवासी अंजली (02)

03 जून 2025: गदामार के गढीपुरवा निवासी आयुष (2)

10 सितंबर : मंझारा तौकली के परागपुर निवासी ज्योति (4)

12 सितंबर : भौंरी के बहोरवा निवासी संध्या (4 माह)

20 सितंबर: मंझारा तौकली गंदूझाला गांव निवासी अंकेश (3)

महाष्टमी पर उमड़ा श्रद्धालु, किया कन्या पूजन

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। नवरात्रि के पावन अवसर पर महाष्टमी पर मंगलवार को देवी मन्दिरों एवं पूजा पण्डालों में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सवेरे से ही मां शीतला धाम चौकिया और श्री माँ शारदा शक्तिपीठ मैहर माता मंदिर में भारी भीड़ उमड़ी रही। प्रातःकाल जैसे ही पट खुले, भक्तों ने माता के दर्शन किए और मंगला आरती में भाग लिया। आरती के समय पूरा मंदिर परिसर जय माता दीष के जयकारों से गूंज उठा, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्ति मय हो गया। विधिपूर्वक देवी कलश, गौरी-गणेश और अन्य देवी-देवताओं की पूजा संपन्न कराई गई। मंदिर की परंपरा अनुसार अष्टमी के दिन नौ कन्याओं की पूजा कर उन्हें खीर-पूरी का भोग अर्पित किया गया। दिनभर मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा। माता के दर्शन हेतु दूर-दराज से आए श्रद्धालु फूल, नारियल, चुनरी और प्रसाद अर्पित करते नजर आए। दर्शन के लिए लगी लंबी कतारें देर रात तक जारी रहीं। पूरे मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस बल भी तैनात किया गया था। भक्तों ने माँ शारदा के चरणों में शीश नवाकर सुख, समृद्धि और शांति की कामना की। ज्ञात हो कि महाअष्टमी पर सुबह विशेष पूजा-अर्चना की शुरुआत शुद्ध घी का दीपक जलाकर की गई। इसके बाद मां को लाल चुनरी और श्रृंगार का सामान अर्पित किया गया। कुमकुम, अक्षत, मौली, लाल पुष्प, लौंग और कपूर से विधिपूर्वक षोडशोपचार पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने मां की आरती उतारी और मिष्ठान्न, फल व मेवा का भोग अर्पित किया। मंदिर परिसर में कन्या पूजन का भी आयोजन किया गया, जिसमें भक्तों ने छोटी-छोटी कन्याओं को पूजकर उन्हें उपहार और प्रसाद भेंट किया।आज दिनभर मंदिर परिसर जय माता दी के जयकारों से गूंजता रहा। भक्तों का कहना है कि महाअष्टमी पर मां कल्याणी देवी की पूजा करने से जीवन की सभी बाधाएं दूर होती हैं और घर में सुख-समृद्धि आती है।

किचन की अल्मारी में जम गई है चिकनाई, अपनाएं ये देसी हैक, मिनटों में दूर हो जाएगा सारा चिपचिपापन

सेहत को मजबूत बनाए रखने के लिए किचन को साफ-सुथरा रखना बेहद जरूरी है। ज्यादातर लोग किचन के स्लैब की तो रोज सफाई करते हैं लेकिन किचन के कैबिनेट्स को साफ करना भूल जाते हैं। अक्सर किचन में मसालों के डिब्बे को रखने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली अल्मारी पर चिकनाई जम जाती है, जिसे साफ करने के चक्कर में लोगों के पसीने छूट जाते हैं। आइए किचन कैबिनेट्स को साफ करने के आसान तरीके के बारे में जानते हैं।

अपनाएं ये तरीका

सबसे पहले एक स्प्रे बॉटल लीजिए और इसमें 50:50 के रेशियो में सिरका और गर्म पानी भर लीजिए। सिरके और गर्म पानी के घोल को किचन कैबिनेट्स को साफ करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। आपको इस घोल को किचन कैबिनेट्स पर अच्छी तरह से स्प्रे कर लेना है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए थोड़ी देर के लिए कैबिनेट्स पर घोल को छोड़ दीजिए।

साफ हो जाएंगे कैबिनेट्स

अब थोड़ी देर के बाद आपको एक पैन में 1-2 गिलास पानी एड कर इसे गर्म करना है। अब इस गर्म पानी में किसी भी साफ कपड़े को डालकर गीला कर लीजिए। आपको इस कपड़े को निचोड़ना है और फिर इससे किचन कैबिनेट्स को अच्छी तरह से पोछ लेना है। आपको जानकर हैरानी होगी कि इस हैक की मदद से किचन कैबिनेट्स पर जमा हुए जिद्दी ग्रीस के दाग हटने लग जाएंगे।

गौर करने वाली बात

अगर आपके किचन कैबिनेट्स लकड़ी से बने हैं, तो आप इस हैक की मदद ले सकते हैं। किचन कैबिनेट्स को अंदर से साफ करने के लिए भी आप इसी प्रोसीजर को फॉलो कर अल्मारी को चमका सकते हैं। अगर आप भी दीवाली पर अपनी किचन को साफ-सुथरा बनाना चाहते हैं, तो इस क्लीनिंग हैक को जरूर आजमाकर देखिए, आपका साफ-सफाई का काम काफी ज्यादा आसान हो जाएगा।

दिल्ली–एनसीआर में बढ़ रही 'कोरोना जैसे लक्षणों' वाली बीमारी, संक्रमितों में देखी जा रही ये दिक्कतें

बरसात के बाद के कुछ महीने हर साल कई प्रकार की बीमारियों का खतरे को बढ़ाने वाले माने जाते रहे हैं। सितंबर-अक्तूबर के महीनों में तेजी से मौसम बदल रहा होता है जिसके कारण फ्लू संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा ये मच्छर जनित रोगों के प्रकोप का भी समय होता है।

राजधानी दिल्ली-एनसीआर में इन दिनों बीमारियों का चौतरफा अटैक देखा जा रहा है। डेंगू और मलेरिया के मामले तो पहले से ही विशेषज्ञों के लिए चिंता का कारण बने ही हुए हैं, साथ ही पिछले एक महीने से यहां 'कोविड जैसे लक्षणों वाली बीमारी' का भी प्रकोप देखा जा रहा है। डॉक्टर इसके लिए एच3एन2 वायरस को जिम्मेदार मान रहे हैं।

हालिया सर्वे की रिपोर्ट बताती है कि दिल्ली-एनसीआर के 70% परिवारों में फ्लू जैसे इस वायरस के कारण होने वाली बीमारी के मामले रिपोर्ट किए जा रहे हैं। संक्रमितों में तेज बुखार, सिरदर्द-बदन दर्द के साथ सर्दी-जुकाम, गले में खराश और दर्द जैसी समस्याएं देखी जा रही हैं।

दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत में फ्लू का खतरा

मीडिया रिपोर्टस से पता चलता है कि दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई राज्यों में H3N2 फ्लू की लहर देखी जा रही है, यह

केवल सर्दी-खांस और बुखार से कहीं अधिक गंभीर है।

कम्युनिटी आधारित एक सर्वे में पाया गया है कि दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के लगभग 70% घरों में लोग संक्रमण का शिकार हैं। ज्यादातर लोगों को तेज बुखार, लगातार खांसी और सामान्य से अधिक समय तक रहने वाली थकान की दिक्कत हो रही है। चिंताजनक बात यह है कि कई लोग जो आमतौर पर फ्लू को नजरअंदाज कर देते थे, अब अधिक गंभीर लक्षणों का सामना कर रहे हैं। H3N2 फ्लू के लक्षण हफ्ते भर से लेकर 15 दिनों तक भी देखे जा रहे हैं।

क्या कहते हैं डॉक्टर?

अमर उजाला से बातचीत में दिल्ली स्थित एक अस्पताल में क्रिटिकल केयर मेडिसिन के प्रमुख और चिकित्सा निदेशक डॉ. अमित भार्गव कहते हैं, हर साल फ्लू के मामलों में दो बार बढ़ोतरी देखी जाती है-एक मानसून के दौरान और दूसरी सर्दियों में। इसके लक्षणों में बदन दर्द, खांसी और बुखार की गंभीरता बढ़ जाती है। H3N2 भी फ्लू का ही रूप है जो श्वसन रोग का कारण बनता है जिसमें खांसी, बुखार के साथ शरीर में दर्द की समस्या देखी जा ही हैं। संक्रमित व्यक्तियों के निकट संपर्क और दूषित सतहों को छूने से ये फैल सकता है। डॉक्टर बताते हैं, बच्चे-बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और पहले से ही अस्थमा, मधुमेह और हृदय संबंधी समस्याओं जैसी क्रॉनिक बीमारियों से ग्रस्त लोग सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। संक्रमण से ब्रोंकाइटिस, निमोनिया जैसी गंभीर जटिलताएं भी हो सकती हैं और मौजूदा हृदय या फेफड़ों की स्थिति और बिगड़ सकती है। अस्पतालों की रिपोर्ट है कि कई लोगों में लक्षण लंबे समय तक बने रहते हैं या वे इतने बीमार हो जाते हैं कि उन्हें भर्ती कराना पड़ता है।

संक्रमण से बचाव के लिए क्या करें?

डॉक्टर कहते हैं इस संक्रमण से बचाव के लिए वही उपाय किए जाने चाहिए जो फ्लू और कोविड से बचाव के लिए होते हैं।

बार-बार अपने हाथ धोना चाहिए। इसके लिए साबुन और पानी का उपयोग करें या फिर हैंड सैनिटाइजर का प्रयोग करें।

बाहर जाते समय मास्क पहनें, खासकर जब भीड़ हो या किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने का डर हो।

भीड़-भाड़ वाली जगहों से जितना हो सके बचें और सार्वजनिक स्थानों पर जाने से पहले सावधानी बरतें।

अपने खान-पान का ध्यान रखें। आहार में ताजे फल और सब्जियां खाएं, पर्याप्त पानी पिएं और पर्याप्त नींद लें। इससे शरीर मजबूत रहता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

यदि आपको 3 दिन से अधिक समय तक बुखार बना रहे, सांस लेने में कठिनाई हो, गले में गंभीर दर्द या सूजन हो इसके साथ चक्कर आने या उल्टी की दिक्कत हो तो डॉक्टर की सलाह लें।

शहरों में तेजी से बढ़ रहे हैं हार्ट के मरीज, डॉक्टरों ने बताई इसकी मुख्य वजहें

शहरी क्षेत्र और मैट्रो सिटी में हृदय रोग के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है हमारी बदली हुई जीवनशैली। पहले लोग शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय रहते थे, अधिक मेहनत थे और तनाव कम था।

हृदय रोग दुनियाभर में मृत्यु का प्रमुख कारण बने हुए हैं। साल 2023 के आंकड़ों के मुताबिक इस साल कार्डियोवैस्कुलर रोगों (सीवीडी) के कारण 1.92 करोड़ से अधिक लोगों की मौत हो गई। विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि साल-दर-साल खतरा बढ़ता ही जा रहा है। जिस तरह से लोगों की दिनचर्या और खान-पान में गड़बड़ी हो रही है, हृदय रोगों का जोखिम और भी अधिक हो सकता है।

भारतीय आबादी में भी हृदय रोग एक बड़ी चुनौती देखी जा रही है। मेडिकल रिपोर्ट्स बताते हैं, शहरी क्षेत्रों विशेषकर मैट्रो सिटी में रहने वाले लोगों में हृदय स्वास्थ्य की समस्या अधिक देखी जा रही है। सितंबर 2025 में प्रकाशित द इंडिया इंक हार्ट इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 3 वर्षों में प्रमुख मेट्रो शहरों में रहने वालों में हृदय रोगों के मामलों में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इनमें ऑफिस में काम करने वाले पेशेवर लोगों के मामले सबसे अधिक हैं। शहरी आबादी में हार्ट की समस्याएं क्यों बढ़ रही हैं और इससे बचे रहने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं? आइए इस बारे में समझते हैं।

शहरी क्षेत्रों में बढ़ रहे हैं हृदय रोगों के मामले

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, शहरी क्षेत्र और मैट्रो सिटी में हृदय रोग के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। इसका सबसे बड़ा कारण है हमारी बदली हुई जीवनशैली। पहले लोग शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय रहते थे, अधिक मेहनत थे और तनाव कम था। लेकिन अब कामकाज का तरीका, खानपान, नींद और तनाव सब कुछ बदल गया है।

मैट्रो सिटी में रहने वाले लोगों की जीवनशैली गांव या छोटे शहरों से बिलकुल अलग होती है। दिनभर ऑफिस का काम, घंटों ट्रैफिक में फंसे रहना, देर रात तक जागना और फास्ट-जंक फूड्स खाने की आदत सीधे दिल की सेहत को प्रभावित करती हैं।

बढ़ते हृदय रोगों की वजह क्या है?

अध्ययन के दौरान स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने ये समझने की कोशिश की है कि वो कौन से कारण हैं जो पेशेवर लोगों के दिल की सेहत बिगाड़ रहे हैं। रिपोर्ट में पहचाने गए प्रमुख कारणों में शारीरिक गतिविधियों की कमी प्रमुख थी। 65 प्रतिशत कर्मचारी दिनभर में 30 मिनट से कम समय किसी भी प्रकार की शारीरिक गतिविधि में खर्च करते हैं। इसके अलावा लंबे समय तक एक ही स्थान पर बैठे-बैठे काम करते रहने का भी हृदय स्वास्थ्य पर सीधा असर देखा जाता रहा है। विशेषज्ञों ने पाया कि ज्यादातर कर्मचारी सीढ़ियों की जगह लिफ्ट का इस्तेमाल करते हैं और सब्जी-घर के सामान लाने के लिए पैदल जाने के बजाय गाड़ी का इस्तेमाल करते हैं, ये सभी स्थितियां शारीरिक गतिविधियों को कम कर देती हैं और हृदय रोगों को बढ़ाने वाली हो सकती हैं।

इन स्थितियों पर भी ध्यान देना जरूरी

इसके अलावा, शहरी लोगों में गांव वालों की तुलना में जंक फूड और प्रोसेस्ड फूड का सेवन भी अधिक देखा गया। इस तरह के खाद्य पदार्थों में ट्रांस फैट, नमक और चीनी का मात्रा अधिक होती है जो धीरे-धीरे धमनियों में प्लाक जमा कर देती है। इससे खून का प्रवाह बाधित होता है और हृदय पर अतिरिक्त दबाव भी बढ़ जाता है। तनाव भी शहरों में एक आम समस्या है। लगातार तनाव से शरीर में कोर्टिसोल और एड्रेनालिन हार्मोन बढ़ जाते हैं जो दिल की धड़कन और ब्लड प्रेशर को असामान्य बना देते हैं। लंबे समय तक यही स्थिति हृदय रोग का खतरा पैदा करती है।

फिर हृदय रोगों से बचने के लिए क्या करें?

डॉक्टर कहते हैं, अगर हम समय रहते कुछ सावधानियां अपनाएं तो दिल की बीमारी को समय पर रोका जा सकता है। सबसे पहले जरूरी है कि आपकी जीवनशैली स्वस्थ हो।

रोजाना कम से कम 30 मिनट तेज चलने या व्यायाम करने की आदत बनाएं इससे दिल मजबूत बनाता है।

आहार में सुधार करना भी जरूरी है। संतुलित आहार लें जिसमें ताजे फल-सब्जियां, साबुत अनाज और ड्राई फ्रूट्स की मात्रा हो। इसके अलावा तले हुए और प्रोसेस्ड फूड से दूरी बनाएं।

हृदय रोगों के खतरे को कम करने के लिए तनाव कम करें। योग, ध्यान और पर्याप्त नींद इसमें आपके लिए मददगार हो सकती हैं।

अगर आपको ब्लड प्रेशर, डायबिटीज या कोलेस्ट्रॉल की समस्या है तो समय-समय पर डॉक्टर की जांच कराते रहें।

वॉशिंग मशीने में कैसे धोएं छल्ले वाले पर्दे, बिना मेहनत के एकदम नए जैसे चमक जाएंगे, अपना लें ये ट्रिक

नवरात्रि से ही घरों में साफ सफाई का काम जोरों से शुरू हो जाता है। पर्दे से लेकर पायदान तक हर चीज साफ-सुथरी और चमचमाती हुई अच्छी लगती है। ज्यादातर लोग सालभर में 1 बार पर्दे धोते हैं। ऐसे में गंदे पर्दों को धोने में बड़ी आफत आती है। अगर आप पर्दे धोने की मेहनत से बचना चाहते हैं तो वॉशिंग मशीन में आसानी से पर्दे धो सकते हैं। लेकिन पर्दे में छल्ले या मेटल रिंग लगी हैं, तो कुछ बातों का ख्याल रखना होगा। नहीं तो पर्दे और वॉशिंग मशीन दोनों खराब हो सकते हैं। इसके लिए पर्दे धोते हुए इन टिप्स को जरूर फॉलो करें।

वॉशिंग मशीन में पर्दे कैसे धोएं

वॉशिंग मशीन में पर्दा धोने जा रहे हैं तो सबसे पहले जरूरी है कि आप किसी एक रस्सी से पर्दे में लगे सारे हुक को इक_ा करके बांध दें। इससे पर्दे के हुक घूमते वक्त टूटेंगे नहीं और न ही इन रिंग्स के कारण वॉशिंग मशीन खराब होगी और आवाज आएगी। पर्दे धो लेने के बाद धूप में सुखा दें।

वॉशिंग मशीन में छल्ले वाले पर्दे कैसे धोएं

पहला स्टेप- रस्सी का इस्तेमाल नहीं करना है तो पर्दे धोते वक्त सारे छल्लों और रिंग को आपस में मिलाकर किसी कपड़े से भी बांध सकते हैं। इससे रिंग्स आवाज नहीं करेंगी और खराब भी नहीं होंगी। कई बार लोगों को लगता है रिंग्स पर लगी जंग पर्दों पर लग जाती है। इसके लिए पर्दे को रिंग्स वाली साइड नीचे करके सुखाएं।

दूसरा स्टेप-पर्दों को धोने के लिए लिक्विड डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें। मशीन में पर्दे धोने से पर्दे एकदम साफ हो जाते हैं। हालांकि एक बार चेक कर लें कि कहीं पर्दे में बुकरम जो सलवार में लगती है वो तो नहीं लगी। अगर लगी है तो ये मशीन में बैंड होकर या पुरानी होकर गलने लगती है। बेहतर होगा कि ऐसे पर्दों को ड्राई क्लीन कराएं या फिर हाथ से ही धोएं।

मात्र 5000 रुपए महीने की बचत से बनें लखपति, पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम में पैसा सुरक्षित और मुनाफा ज़बरदस्त

अगर आप भविष्य के लिए एक बड़ा फंड तैयार करना चाहते हैं, लेकिन बाज़ार के उतार-चढ़ाव से डरते हैं, तो पोस्ट ऑफिस की रिकरिंग डिपॉजिट (क्रष्ठ) स्कीम आपके लिए एक शानदार विकल्प हो सकती है। इस सरकारी योजना में आप हर महीने एक छोटी रकम जमा करके कुछ ही सालों में लाखों रुपये जोड़ सकते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि आपके निवेश पर सरकार की 100त्न सुरक्षा की गारंटी मिलती है, यानी आपका पैसा डूबने का कोई खतरा नहीं है।

5000 महीने से 10 साल में बनेंगे 8.36 लाख

इसे एक आसान उदाहरण से समझा जा सकता है। मौजूदा 6.7त्न वार्षिक ब्याज दर (जो सरकार द्वारा समय-समय पर बदली जा सकती है) के हिसाब से, अगर आप हर महीने 5000 रुपए पोस्ट ऑफिस की आरडी स्कीम में निवेश करते हैं, तो 5 साल बाद आपका कुल निवेश 3 लाख रुपए होगा। इस पर आपको लगभग 55,771 रुपए का ब्याज मिलेगा, जिससे मैच्योरिटी पर आपको कुल 3,55,771 रुपए मिलेंगे।

वहीं, यदि आप इस स्कीम को अगले 5 साल के लिए और बढ़ा देते हैं, तो 10 साल में आपका कुल निवेश 6 लाख रुपए हो जाएगा, जिस पर करीब 2,36,666 रुपए का ब्याज अर्जित होगा और आपके पास कुल 8,36,666 रुपए का एक बड़ा फंड तैयार हो जाएगा।

आम आदमी के लिए खास योजना

पोस्ट ऑफिस की यह स्कीम हर वर्ग के लिए बनाई गई है। आप इसमें मात्र 100 रुपए प्रति माह से भी निवेश शुरू कर सकते हैं। निवेश की कोई ऊपरी सीमा नहीं है, आप अपनी बचत क्षमता के अनुसार कितनी भी राशि जमा कर सकते हैं।

सरकारी गारंटी के साथ पूरी सुरक्षा

बाजार से जुड़ी योजनाओं में हमेशा जोखिम बना रहता है, लेकिन पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम में आपका एक-एक पैसा पूरी तरह सुरक्षित है। यह योजना सरकार की सॉवरेन गारंटी के साथ आती है। बैंकों में केवल 5 लाख रुपए तक की जमा राशि पर ही बीमा गारंटी होती है, जबकि यहां आपकी पूरी जमा रकम सुरक्षित मानी जाती है।

स्कीम की अन्य बड़ी खासियतें

यह स्कीम निवेशकों को पैसे की जरूरत से लेकर खाता संचालन तक, कई तरह की सुविधाएँ और लचीलापन प्रदान करती है। अगर आपको निवेश के दौरान तत्काल पैसों की जरूरत पड़ती है तो घबराने की बात नहीं, क्योंकि 12 किस्तें जमा होने के बाद आप अपनी जमा राशि का 50त्न तक लोन ले सकते हैं।

इसके अलावा, अब हर महीने पोस्ट ऑफिस के चक्कर काटने की भी ज़रूरत नहीं है; आप इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (ढ्ढक्कक्कक्च) खाते के जरिए घर बैठे ही ऑनलाइन अपनी मासिक किस्त जमा कर सकते हैं। यही नहीं, यह योजना आपको किसी सदस्य के साथ मिलकर ज्वाइंट अकाउंट खोलने और जरूरत पड़ने पर खाते को एक पोस्ट ऑफिस से दूसरे में ट्रांसफर कराने की भी सुविधा देती है।

रोटी, कपड़ा, मकान.. नई जीएसटी से कहां मिल रहा सबसे ज्यादा फायदा? ये है जवाब

22 सितंबर से लागू नई जीएसटी दरों के असर पर लोकल सर्कल्स के सर्वे में खुलासा हुआ है कि सबसे अधिक राहत कार खरीदारों को मिली है। पैक्ड फूड और दवाइयों पर टैक्स घटा जरूर, लेकिन इसका लाभ अभी सही से आम लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है।

सरकार ने हाल ही में जीएसटी (GST) की दरों में बड़ा बदलाव किया है, जो 22 सितंबर से लागू हो चुका है। करीब 400 चीजों पर टैक्स घटा दिया गया है। अब सवाल ये उठता है कि आम लोगों को इसका असली फायदा कितना मिल रहा है और सबसे ज़्यादा राहत किस चीज़ में मिली है। इसी बात का पता लगाने के लिए लोकल सर्कल्स नाम की एक संस्था ने हाल ही में एक सर्वे किया। इस सर्वे में 78 हज़ार से ज़्यादा लोगों ने हिस्सा लिया और बताया कि उन्हें जीएसटी में बदलाव के बाद कहां सबसे ज़्यादा फायदा हुआ। सर्वे के मुताबिक, कार खरीदने वालों को सबसे ज़्यादा फायदा मिला है। वहीं, पैक्ड फूड और दवाइयों पर टैक्स तो घटा है, लेकिन उसका असर ज़्यादा लोगों तक नहीं पहुंच पाया है। मतलब, इन चीज़ों के दाम में खास फर्क नहीं दिखा।

कार खरीदने वालों के सबसे ज्याजा फायदा

सर्वे के मुताबिक, गाड़ी खरीदने वालों में से 76% लोगों ने कहा कि उन्हें जीएसटी कटौती का पूरा फायदा मिला है। वहीं 24% लोगों ने बताया कि उन्हें कुछ हद तक ही फायदा हुआ। मतलब ये कि कार खरीदने वाले हर 10 में से 9 लोगों को टैक्स में कटौती का सीधा फायदा महसूस हुआ।

इसी तरह, इलेक्ट्रॉनिक सामान और घरेलू उपकरण (जैसे टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन आदि) खरीदने वालों में करीब 68% लोगों ने माना कि उन्हें जीएसटी दर घटने से फायदा हुआ। इनमें से 34% को पूरा फायदा मिला, जबकि 33% को थोड़ा बहुत फायदा हुआ। हालांकि, 33% लोगों ने कहा कि उन्हें कोई फर्क महसूस नहीं हुआ।

पैक्ड फूड, दवाओं पर नहीं मिल रहा फायदा

सर्वे के अनुसार, पैक्ड फूड पर जीएसटी कम होने के बाद भी सिर्फ 10% लोगों ने कहा कि उन्हें पूरा फायदा मिला। 21% लोगों को थोड़ा-बहुत फायदा महसूस हुआ, जबकि 47% ने साफ तौर पर कहा कि उन्हें कोई फर्क नहीं दिखा। बाकी 21% लोगों ने इस सवाल का जवाब नहीं दिया। दवाओं के मामले में भी हालात कुछ ऐसे ही हैं। सिर्फ 10% लोगों ने कहा कि उन्हें टैक्स कटौती का पूरा फायदा मिला, 24% को थोड़ा फायदा महसूस हुआ, लेकिन 62% लोगों का कहना है कि दवाओं की कीमत में कोई कमी नहीं आई। यानि, टैक्स भले ही घटा हो, लेकिन रोजमर्रा की जरूरी चीजों जैसे पैक्ड फूड और दवाइयों में उसका असर ज़्यादातर लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है।

पुराना माल बताकर दुकानदार नहीं दे रहे सस्ती चीजें

जीएसटी दरों में कटौती के बाद भी कई दुकानदार सामान सस्ती कीमत पर नहीं बेच रहे हैं। जब ग्राहक दुकानों पर रोजमर्रा की चीजें जैसे बिस्कुट, नमकीन, तेल, साबुन, शैंपू या टॉफी खरीदने जाते हैं, तो उन्हें नई दरों का कोई फायदा नहीं मिल रहा। दुकानदार अब भी वही पुराने रेट पर सामान बेच रहे हैं।

सरकार की तरफ से 22 सितंबर से कई चीजों पर टैक्स घटा दिया गया है, जिससे उम्मीद थी कि इनके दाम भी कम हो जाएंगे। लेकिन ज़मीनी हकीकत ये है कि दुकानदार ग्राहकों को छूट देने से बच रहे हैं। वे कहते हैं कि उनके पास पुराना स्टॉक पड़ा है, जो पहले के टैक्स रेट पर खरीदा गया था। अगर वो अब सस्ता बेचते हैं, तो उन्हें घाटा होगा।

ग्राहक इस बात से नाराज़ हैं और खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। वहीं दुकानदार कहते हैं कि जैसे ही नया माल आएगा, तब नए दाम पर बेचेंगे। अभी के लिए उनके पास और कोई चारा नहीं है।

सस्ती नहीं मिल रहा सामान तो कर सकते हैं शिकायत

वहीं सरकार का कहना है कि अगर दुकानदार जीएसटी कम होने के बाद भी आपको चीजें पुराने रेट पर बेच रहे हैं और आपको सस्ते दाम का फायदा नहीं मिल रहा, तो आप इसकी शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए ज्यादा झंझट नहीं है — बस टोल फ्री नंबर 1915 पर फोन करें और अपनी शिकायत दर्ज करवाएं। अगर आप चाहें तो वॉट्सऐप पर भी शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए सरकार ने नंबर 8800001915 दिया है, जिस पर आप मैसेज भेजकर अपनी बात कह सकते हैं।

इमरान खान पर एकदम से पलटी मार गई बिलावल भुट्टो की पार्टी, कद्दावर नेता ऐतजाज बोले- सारे आरोप झूठे

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई का मामला तुल पकड़ लिया है। पेशावर में पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ की रैली के बाद अब बिलावल भुट्टो की पार्टी के नेता भी इमरान की पैरवी में जुट गए हैं। बिलावल पार्टी के कद्दावर नेता चौधरी ऐतजाज अहसान का कहना है कि इमरान पर सारे आरोप झूठे हैं। उन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए।

ऐतजाज पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील होने के साथ-साथ बार एसोसिएशन के प्रमुख हैं। बिलावल पार्टी के सदस्य हैं और जरदारी परिवार से उनके पुराने ताल्लुकात हैं। ऐतजाज पार्टी के सर्वोच्च इकाई के सदस्य भी हैं और कानूनी मामलों में पार्टी का पक्ष रखते हैं। ऐसे में जिस तरीके से इमरान को लेकर ऐतजाज ने बयान दिया है, वो काफी चौंकाने वाला है। अब तक बिलावल की पार्टी इमरान को लेकर कुछ भी बोलने से परहेज करती रही है।

क्या कुछ बड़ा खेल होने वाला है?

ऐतजाज अहसान का यह बयान ऐसे वक्त में आया है, जब पाकिस्तान में 2 सियासी चर्चा है। पहली चर्चा आसिफ अली जरदारी को हटाकर आसिम मुनीर को राष्ट्रपति बनाने की है। सेना ने अब तक इसे खंडन किया है, लेकिन हाल के दिनों में जिस तरीके से शहबाज और मुनीर की जोड़ी सुर्खियां बटोर रही है, उससे जरदारी अलग-थलग पड़ गए हैं। दूसरी चर्चा पंजाब और सिंध इलाके में दो पार्टियों के बीच गठबंधन को लेकर है। कहा जा रहा है कि पीपीपी इन दो प्रांतों में एक पार्टी के साथ गठबंधन पर विचार कर रही है। यह पार्टी कौन है, इसको लेकर खुलासा नहीं हुआ है।

इमरान के जेल बदलने की तैयारी

इधर, पाकिस्तान की सरकार इमरान खान के जेल बदलने की तैयारी कर रही है। आदियाला जेल में बंद इमरान को कासिम बाजार स्थित एक स्पेशल सेल में रखने की तैयारी हो रही है। यह स्पेशल सेल पाकिस्तान सैन्य मुख्यालय से 2 किमी दूर पर स्थित है। यह स्पेशल सेल पाकिस्तान सैन्य क्षेत्र में है, जहां से इमरान पर सेना की सीधी निगरानी रखी जाएगी। इमरान पर नजर रखने के लिए स्पेशल सेल में 40 जवानों की तैनाती करने की तैयारी हो रही है। इमरान पिछले 2 साल से आदियाला जेल में अपनी पत्नी बुशरा बीबी के साथ बंद हैं।

Gen Z प्रदर्शनकारियों की एक और देश में क्रांति, बिजली-पानी के मुद्दे पर सरकार का तख्तापलट

गाजा। नेपाल के बाद अब मेडागास्कर में Gen-Z प्रदर्शनकारियों की क्रांति देखने को मिल रही है। यहां बिजली-पानी के मुद्दे को लेकर Gen Z सड़कों पर उतर आए और उन्होंने देश की सरकार को हिला कर रख दिया है। सड़कों पर जमकर प्रदर्शन और नारेबाजी हुई। यूएन के मुताबिक, प्रदर्शन में अब तक 22 लोग मारे गए और 100 घायल हुए। इस प्रदर्शन के बाद अब देश में तख्तापलट हो गया है। मेडागास्कर के राष्ट्रपति एंड्री राजोइलिना ने विरोध प्रदर्शन के बाद सरकार को भंग कर दिया है।

लगातार बिजली और पानी की कटौती के खिलाफ गुरुवार से देश में प्रदर्शन शुरू हुए। प्रदर्शनों में हजारों Gen-Z सड़कों पर उतर आए, जिसके चलते सरकार को राजधानी अंतानानारिवो और बाकी शहरों में रात का कर्फ्यू लगाना पड़ा। देखते ही देखते यह प्रदर्शन इतना तेजी से बढ़ा कि सरकार को युवाओं की मांगें माननी पड़ी। हजारों प्रदर्शनकारी सोमवार को फिर राजधानी अंतानानारिवो और बाकी शहरों की सड़कों पर उतर आए, जिससे सुरक्षाबलों को भीड़ पर दोबारा आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। पिछले पांच दिनों से प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर टायर जलाए। अंतानानारिवो की नई केबल कार सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के कई स्टेशन जला दिए गए। स्थानीय मीडिया ने बताया कि कुछ नेताओं के घरों पर भी हमले किए गए। सरकार ने गुरुवार से राजधानी अंतानानारिवो और शुक्रवार से अन्य प्रमुख शहरों में रात का कर्फ्यू लगा रखा है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने सोमवार को कहा कि प्रदर्शनों के दौरान हुई झड़पों में 22 लोग मारे गए। यूएन एजेंसी ने इसके लिए सुरक्षा बलों की हिंसक प्रतिक्रिया को दोषी ठहराया। एजेंसी ने कहा कि 100 से अधिक लोग घायल भी हुए हैं। यूएन कार्यालय ने कहा कि प्रदर्शन गुरुवार को शांतिपूर्ण तरीके से शुरू हुए थे, लेकिन सुरक्षाबलों ने गैर-जरूरी बल का इस्तेमाल किया, आंसू गैस छोड़ी, प्रदर्शनकारियों को पीटा और गिरफ्तार किया। माडागास्कर की विदेश मंत्री रसता रफारवावितापिका ने एक बयान में यूएन की मौतों की संख्या को खारिज कर दिया और कहा कि सरकार सख्ती से इनकार करती है कि 22 लोगों की मौत हुई। हालांकि, माडागास्कर अधिकारियों ने अब तक अपने आंकड़े जारी नहीं किए हैं कि कितने लोग मारे गए या घायल हुए। माडागास्कर अफ्रीका के पूर्वी तट से दूर 3।1 करोड़ की आबादी वाला एक बड़ा द्वीप है। प्रदर्शनकारियों का गुस्सा गरीबी और अधिकारियों की पानी-बिजली सभी तक पहुंचाने के वादे को पूरा न करने पर है। विश्व बैंक ने हाल के वर्षों में माडागास्कर के शहरी इलाकों में गरीबी स्तर में तेज बढ़ोतरी दर्ज की है।

गाजा-इजराइल पर डोनाल्ड ट्रंप के प्लान का सभी प्रमुख इस्लामिक देशों ने किया स्वागत, अब हमास पर टिकी निगाहें

गाजा। गाजा में जारी संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में कतर, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, तुर्की, सऊदी अरब और मिस्र के विदेश मंत्रियों ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व और उनके शांति प्रयासों का स्वागत किया है। उन्होंने ट्रंप की ओर से बनाए प्रस्ताव की सराहना की। कतर विदेश मंत्रालय ने संयुक्त बयान में कहा कि ट्रंप के प्रस्ताव में गाजा में युद्धविराम, पुनर्निर्माण, फिलिस्तीनी नागरिकों के विस्थापन को रोकने और क्षेत्र में स्थायी शांति को बढ़ावा देने की बात कही गई है। इससे वहां के लोग एक नए सिरे से अपनी जिंदगी को दोबारा शुरू कर सकेंगे। कतर के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया कि इन देशों के शीर्ष राजनयिकों ने इस बात पर विश्वास जताया है कि ट्रंप की पहल से क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता का समाधान निकल सकता है। अरब समेत सभी इस्लामिक देशों के मंत्रियों ने ट्रंप द्वारा दी गई उस गारंटी का भी स्वागत किया, जिसमें यह स्पष्ट किया गया है कि वह पश्चिमी तट पर कब्जे की अनुमति नहीं देंगे। बयान में यह भी कहा गया है कि संबंधित देश समझौते को अंतिम रूप देने, उसे लागू करने और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा व स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका और अन्य भागीदारों के साथ बातचीत को तैयार है। ट्रंप की इस पहल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी बारीकी से देखा जा रहा है।

रिव्यू करेंगे फिर देखेंगे... ट्रंप की 20 प्वाइंट गाजा डील पर क्या बोला हमास?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा युद्ध को समाप्त करने के लिए 20 प्वाइंट का प्लान सामने रखा है। राष्ट्रपति ट्रंप और इजराइल के पीएम नेतन्याहू की मुलाकात हुई। इस योजना पर नेतन्याहू की तरफ से भी पॉजिटिव रिस्पॉन्स आया है। वहीं, अब सभी की निगाह हमास पर टिकी हुई है। जहां इजराइल इस डील के लिए तैयार हो गया है। वहीं, अब हमास का क्या रुख है। हमास क्या इस डील को लेकर आगे बढ़ेगा। वो गाजा डील के लिए सामने रखी गई सारी शर्तों को मानेगा अब इस पर डील टिकी हुई है।

अमेरिका की तरफ से पेश की गई इस डील पर मुस्लिम देशों का भी रिएक्शन सामने आया है। मुस्लिम देशों ने इस प्लान का स्वागत किया है। इस डील का सऊदी अरब, जॉर्डन, यूएई, कतर, इंडोनेशिया, तुर्की, पाकिस्तान और मिस्र के नेताओं ने स्वागत किया।

हमास का रिएक्शन आया सामने

ABC न्यूज के मुताबिक, कतर के प्रधानमंत्री और मिस्र के खुफिया प्रमुख ने हमास के वार्ताकारों (negotiators) से मुलाकात की और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 20 प्वाइंट गाजा डील के बारे में जानकारी दी। एक अधिकारी ने एबीसी न्यूज़ को इसकी जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, हमास के वार्ताकारों ने कहा कि वो इस डील को लेकर अभी इसको रिव्यू करेंगे और फिर अपना जवाब देंगे। दोनों नेताओं का कहना है कि अगर हमास इस डील को स्वीकार कर लेता है तो सभी बंधकों को 72 घंटे के भीतर रिहा करने का प्रावधान है। लेकिन, अगर हमास ऐसा नहीं करता है तो इजराइल उस पर हमला करेगा और इसमें उसका साथ अमेरिका देगा।

क्या हैं डील की शर्तें?

राष्ट्रपति ट्रंप के इस 20 प्वाइंट की डील में हमास के लिए भी कई शर्तें शामिल की गई हैं। प्लान में कहा गया है कि हमास के लड़ाकों को पूरी तरह से हथियार छोड़ने होंगे। हमास की सुरंगों और हथियार निर्माण सुविधाओं को नष्ट कर दिया जाएगा। साथ ही योजना में यह बात भी साफ कर दी गई है कि हमास को भविष्य की सरकार में किसी भी तरह की कोई भूमिका नहीं दी जाएगी। साथ ही यह भी कहा गया है कि जो हमास के लड़ाके शांति के साथ रहने के लिए सहमत होंगे और माफी मांगेंगे, उन्हें माफी दी जाएगी। इजराइल की वापसी के बाद, सीमाओं को खोल दिया जाएगा ताकि मानवीय सहायता और निवेश प्रवेश कर सके।

इस डील में हमास को 20 जीवित बंधकों और दो दर्जन मृत बंधकों की लाशों को 72 घंटे के अंदर रिहा करने और सैकड़ों गाजावासियों की रिहाई के आदान-प्रदान की व्यवस्था की गई है।

नेतन्याहू ने हमास को लेकर क्या कहा

एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में नेतन्याहू ने योजना का सशर्त समर्थन किया। नेतन्याहू ने कहा, मैं आपकी गाजा युद्ध समाप्ति योजना का समर्थन करता हूं, जो हमारे युद्ध लक्ष्यों को पूरा करती है। यह सभी बंधकों को वापस लाएगी, हमास की सैन्य क्षमताओं को नष्ट करेगी, इसके राजनीतिक शासन को समाप्त करेगी और सुनिश्चित करेगी कि गाजा फिर से इजराइल के लिए खतरा न बने। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर हमास योजना का पालन नहीं करता तो इजराइल स्वतंत्र रूप से कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा, अगर हमास आपकी योजना को अस्वीकार करता है, या इसे स्वीकार करके फिर उसके खिलाफ हर संभव प्रयास करता है, तो इजराइल खुद यह काम पूरा करेगा। इसे आसान या कठिन तरीके से किया जा सकता है। नेतन्याहू ने यह भी संकेत दिया कि भले ही हमास व्हाइट हाउस प्रस्ताव को स्वीकार कर ले, इजराइल गाजा से अपनी सेना सिर्फ आंशिक रूप से ही हटा पाएगा और सुरक्षा घेरे में बल बनाए रखेगा।

लेह में कर्फ्यू में चार घंटे की ढील की घोषणा, भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात

लेह, एजेंसी। लेह शहर में एक हफ़्ते से कर्फ्यू लगा हुआ है, इसलिए अधिकारियों ने मंगलवार को चार घंटे के लिए प्रतिबंधों में ढील देने की घोषणा की है। लेह शहर में सप्ताह भर से जारी कर्फ्यू में मंगलवार सुबह 10 बजे से चार घंटे की ढील दी जाएगी और दुकानदारों को दुकान खोलने का निर्देश दिया गया है। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

सोमवार को शाम चार बजे से दो घंटे के लिए प्रतिबंधों में ढील दी गई थी। गत 24 सितंबर को प्रदर्शनकारियों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच व्यापक झड़पों में जान गंवाने वाले एक सेवानिवृत्त सैन्यकर्मी समेत चार लोगों के अंतिम संस्कार के तुरंत बाद यह कदम उठाया गया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कर्फ्यूग्रस्त क्षेत्रों में ढील को आगे बढ़ाने का निर्णय उभरती स्थिति के आधार पर लिया जाएगा।

लेह में अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट

गुलाम मोहम्मद ने कर्फ्यू में ढील की अवधि के दौरान किराने का सामान, आवश्यक सेवाएं, हार्डवेयर और सब्जी की दुकानें खोलने का आदेश दिया। अधिकारी ने कहा, पिछले बुधवार को हुई हिंसा को छोड़कर, कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली है। संवेदनशील इलाकों में पुलिस और अर्धसैनिक बलों की बड़ी संख्या में तैनाती की गई है और वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी निगरानी रख रहे हैं।

रोजाना उच्च-स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक

उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता लगभग रोजाना उच्च-स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता कर रहे हैं। सोमवार को उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की और इसे विकास की आधारशिला बताया। गुप्ता ने कहा था, मैं समाज के सभी वर्गों से एकता और सद्भाव बनाए रखने और असामाजिक व राष्ट्रविरोधी तत्वों के षड्यंत्रों का शिकार न होने का आग्रह करता हूं। प्रशासन लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है और उनकी सुरक्षा, सम्मान और प्रगति सुनिश्चित करेगा। उन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उल्लेखनीय संयम और प्रतिबद्धता दिखाने के लिए लोगों की सराहना की तथा बातचीत और लोकतांत्रिक तरीकों से उनके हर वैध मुद्दे का समाधान करने का वादा किया।

लेह शहर में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं अब भी निलंबित

लेफ्टिनेंट गवर्नर ने प्रशासन और नागरिकों के बीच विश्वास को मजबूत करने के लिए खुफिया जानकारी जुटाने, नियमित सामुदायिक सहभागिता और सार्वजनिक शिकायतों के त्वरित निवारण के लिए स्पष्ट निर्देश भी जारी किए। अधिकारियों ने बताया कि लेह शहर में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं अब भी निलंबित हैं और कारगिल सहित केंद्र शासित प्रदेश के अन्य प्रमुख हिस्सों में पांच या अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध संबंधी निषेधाज्ञा अभी भी लागू है।

लद्दाख भाजपा ने जवाबदेही और न्याय सुनिश्चित करने के लिए घटना की गहन जांच की मांग

लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) के एक घटक द्वारा आहूत बंद के दौरान हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद 24 सितंबर की शाम को लेह शहर में कर्फ्यू लगा दिया गया था। यह बंद लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार की मांगों पर केंद्र के साथ बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए किया गया था।

भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात

घटना के बाद दो पार्षदों समेत 60 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया। इनमें जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी शामिल हैं, जिन्हें 26 सितंबर को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में लिया गया था और बाद में राजस्थान की जोधपुर जेल में बंद कर दिया गया था। इस बीच, लद्दाख भाजपा ने जवाबदेही और न्याय सुनिश्चित करने के लिए घटना की गहन जांच की मांग की। भाजपा ने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए एक बयान में कहा, हम मामूली अपराधों के आरोपी सभी निर्दोष व्यक्तियों की तत्काल रिहाई की मांग करते हैं। पार्टी ने कहा, लद्दाख अपनी सुंदरता और लोगों के अच्छे व्यवहार के लिए जाना जाता है। हम लद्दाख में सभी से शांति और सद्भाव बनाए रखने का आग्रह करते हैं। यह महत्वपूर्ण है कि हम कानून-व्यवस्था को अपने हाथ में न लें या गलत सूचनाओं का शिकार न हों। आइए, हम शांति सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करें। इसमें सभी से एकजुट होकर एकता और सद्भाव को बढ़ावा देने की अपील की गई है। इसमें कहा गया है, हम सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने और सुलह-समझौते की दिशा में प्रयासों में सहयोग का अनुरोध करते हैं।

'कर्नाटक में अब 80% कमीशन की सरकार', ठेकेदार संघ के आरोपों के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

बंगलूरू, एजेंसी। कर्नाटक में ठेकेदार संघ की ओर कांग्रेस सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जाने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हमलावर हो गई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से तत्काल इस्तीफा देने की मांग की है। आर अशोक ने सिद्धारमैया सरकार को '80 फीसदी कमीशन वाली सरकार' बताया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक अब इस भ्रष्ट कांग्रेस सरकार को बर्दाश्त नहीं कर सकता।

पिछले हफ्ते कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ (केएससीए) ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को एक पत्र लिखा था। इस पत्र में आरोप लगाया गया था कि कांग्रेस सरकार में विभिन्न विभागों में बिल पास करवाने के लिए मांगी जाने वाली कमीशन की दर पिछली भाजपा सरकार की तुलना में दोगुनी हो गई है। केएससीए ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने पिछले करीब दो वर्षों से ठेकेदारों का लंबित भुगतान नहीं किया है।

2023 के विधानसभा चुनावों से पहले केएससीए ने 40 फीसदी कमीशन का आरोप लगाया था। जो राज्य की राजनीति में बड़ा मुद्दा बन गया था, जिसे कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ एक बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था।

भाजपा ने पूछा: आखिर आरोपों पर क्यों चुप हैं मंत्री?

आर. अशोक ने एक्स पर लिखा, कर्नाटक के ठेकेदारों ने कांग्रेस के भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। जब विपक्ष में थे, तब सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार (मौजूद उपमुख्यमंत्री) 40 फीसदी कमीशन को लेकर खूब बोलते थे। आज उनके राज में खुद ठेकेदार कह रहे हैं कि अब (कमीशन की) दर दोगुनी हो गई है। कर्नाटक में अब 80 फीसदी कमीशन सरकार बन गई है।

ब्लैक बिकिनी में समुद्र किनारे तारा सुतारिया ने ढाया कहर, तस्वीरें ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

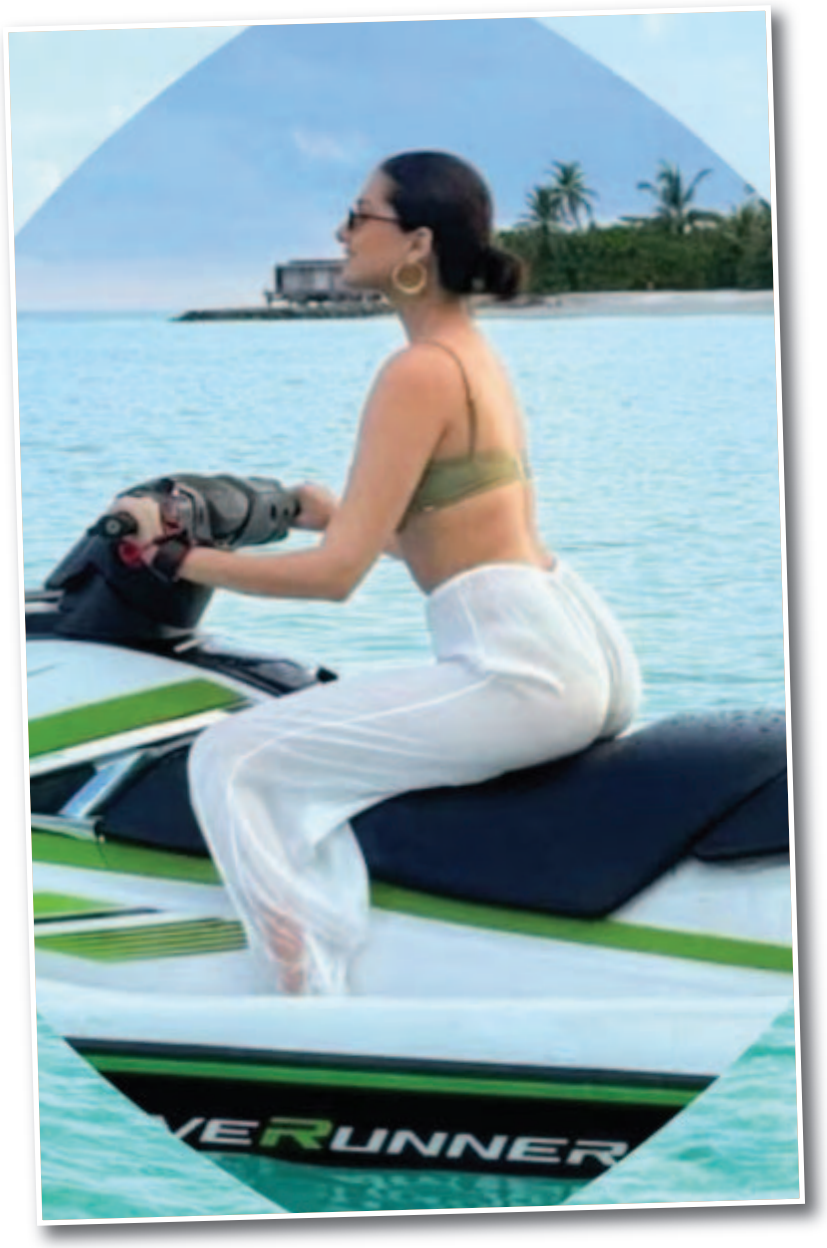

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया फिल्मों में कम एक्टिव हैं। लेकिन वो अपने लुक्स को लेकर लाइमलाइट बटोरती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस समुद्र किनारे से अपनी कुछ सिजलिंग तस्वीरें फैंस के साथ शेयर की। जो अब सोशल मीडिया का पारा बढ़ा रही है। तस्वीरों में तारा का ब्लैक बिकिनी लुक देखने को मिला है। जो फैंस को खूब पसंद आ रहा है।

दरअसल तारा सुतारिया की ये तस्वीरें मालदीव वेकेशन की हैं। जो हाल ही में उन्होंने फैंस के साथ शेयर की। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ब्लैक कलर की बिकिनी पहने हुए नजर आ रही हैं। जो कैमरे के लिए सिजलिंग और हॉट पोज दे रही हैं। तस्वीरों में तारा की पतली कमर को देख फैंस उनके दीवाने बन बैठे हैं। फोटो शेयर कर एक्ट्रेस ने लिखा, 'डॉल्फ़नि के साथ एक हफ्ता।।

तारा की ये तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। जिनपर यूजर्स भी खूब कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा, हुस्नपरी। दूसरे ने कहा, सो हॉट। एक यूजर ने लिखा है, कितनी सुंदर हो। एक फैन ने लिखा है, हॉटनेस ओवरलोडेड।। बता दें कि तारा की तस्वीरों पर लाखों लाइक्स आ चुके हैं।

बता दें कि तारा सुतारिया अपने अभी तक के फिल्मी करियर में स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2,मरजावां, तड़प, हीरोपंती 2, एक विलेन रिटर्न्स, और अपूर्वा जैसी फिल्मों में काम किया है। इन दिनों एक्ट्रेस अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। खबरों के अनुसार तारा कुछ महीनों से एक्टर वीर पहाड़िया को डेट कर रही हैं। दोनों कई बार रेस्टोरेंट में और फैशन शोज में एकसाथ नजर भी आ चुके हैं। इसके अलावा तारा ने वीर संग कुछ रोमांटिक फोटो भी सोशल मीडिया पर शेयर की थी।

देसी गर्ल पहुंचीं मुंबई, प्रियंका चोपड़ा के एयरपोर्ट लुक पर फिदा हुए फैंस

देसी प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड गईं तो वहीं की होकर रह गईं। लेकिन वक्त निकालकर वह इंडिया आती रहती हैं। सोमवार के दिन प्रियंका चोपड़ा को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। इसके बाद से ही प्रियंका स्वैग, ड्रेसअप सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है।

मुंबई एयरपोर्ट पर प्रियंका चोपड़ा को जब फैंस ने देखा तो साथ में फोटो क्लिक करवाने के लिए दौड़ चले आए। प्रियंका चोपड़ा ने भी फैंस को निराश नहीं किया। लगभग सभी के साथ फोटो क्लिक करवाए। पैपराजी को भी प्रियंका चोपड़ा ने जमकर पोज दिए। इन्हीं बातों के बीच प्रियंका चोपड़ा का लुक काफी चर्चा में रहा।

फैंस को भा गया प्रियंका का फैशन सेंस

सोशल मीडिया पर प्रियंका चोपड़ा के एयरपोर्ट लुक वाले कई फोटोज वायरल हैं। इन वीडियो में वह को-ऑर्ड सेट पहने दीं। को-ऑर्ड सेट के साथ टैंक टॉप प्रियंका ने पहना हुआ है। साथ ही नेवल पियर्सिंग भी साफ नजर आ रही है। अपना बैग लिए जब वह एयरपोर्ट से बाहर निकलीं तो उनका स्वैग देखते ही बनता था।

यूजर्स ने भी देसी गर्ल के लुक पर दिया रिएक्शन

प्रियंका चोपड़ा के लुक पर सोशल मीडिया यूजर्स ने भी कमेंट किए हैं। कई यूजर्स ने उनके लिए हार्ट, फायर इमोजी सोशल मीडिया पोस्ट पर शेयर किए हैं। वहीं कुछ यूजर्स प्रियंका चोपड़ा का स्वागत करते दिखे। वह प्रियंका के भारत आने पर काफी खुश दिखे।

हॉरर-कॉमेडी फिल्म द राजा साब ट्रेलर की रिलीज डेट का एलान, प्रभास-संजय दत्त के नए पोस्टर ने खींचा ध्यान

साउथ सिनेमा के रिबेल प्रभास की फिल्म द राजा साब की रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फैंस के इस इंतजार को बरकरार करने रखने के लिए प्रभास ने द राजा साब के ट्रेलर से जुड़ा एक नया अपडेट जारी किया है। इस अपडेट ने फैंस के बीच हलचल मचा दी है।

राजा साहब का टीजर 21 जून, 2025 को रिलीज किया गया था, जिससे दर्शकों को फिल्म के शुरुआती झलक मिली । अब प्रभास ने सोशल मीडिया के जरिए ट्रेलर की आधिकारिक रिलीज की तारीख और समय का एलान किया है।

राजा साहब का ट्रेलर आज 29 सितंबर, शाम 6 बजे रिलीज होगा। इस एलान के साथ, प्रभास और संजय दत्त का एक नया पोस्टर भी साझा किया गया, जिसने फैंस के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। सोशल मीडिया पोस्ट में फिल्म के पोस्टर को साझा करते हुए प्रभास ने कैप्शन में लिखा है, राजा साहब की दुनिया में कदम रखिए। ट्रेलर 29 सितंबर को। पोस्टर में लिखा गया है कि द राजा साब का ट्रेलर आज 29 सितंबर को शाम 6 बजे आएगा।

मारुति द्वारा निर्देशित और लिखित द राजा साब पीपल मीडिया फैक्ट्री और आईवी एंटरटेनमेंट के बैनर तले निर्मित है।प्रभास के साथ, इस फिल्म में संजय दत्त, निधि अग्रवाल, तेलुगु सिनेमा में अपनी शुरुआत कर रही मालविका मोहनन और रिद्धि कुमार भी शामिल हैं।

यह फिल्म रोमांटिक हॉरर-कॉमेडी स्टाइल की है। इस फिल्म की कहानी एक ऐसे युवक के इर्द-गिर्द घूमती है जो आर्थिक तंगी से उबरने के लिए अपनी पैतृक संपत्ति पर कब्जा कर की कोशिश करता है। यह फिल्म सस्पेंस, रोमांस और कॉमेडी से भरपूर है।

द राजा साब 5 भाषाओं तेलुगु, हिंदी, तमिल, काड़ और मलयालम में रिलीज होगी। थमन एस के संगीत और दिल छू लेने वाले सीन के साथ, यह पैन इंडिया फिल्म अलौकिक रोमांच, अनोखी कॉमेडी और प्रभास के विद्रोही स्टार करिश्मे का अभूतपूर्व मिश्रण प्रस्तुत करेगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com